7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 कर्ज में डूबे प्रापर्टी डीलर ने सर्राफ के बेटे से मांगी थी 3 लाख की रंगदारी

5 एक नवंबर से बिजली उपभोक्ताओं के लिए लागू होगी नई व्यवस्था

8 अमित मिश्रा ने किया संन्यास का एलान

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 11 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 08 सितम्बर ,2025

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत को चीन के खेमे में जाने वाले बयान पर विवाद के बाद दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने संबंधों में तनाव कम करने की कोशिश की है। ट्रंप ने पीएम मोदी को महान बताते हुए भारत–अमेरिका संबंधों को विशेष बताया। पीएम मोदी ने भी ट्रंप के बयान की प्रशंसा करते हुए सकारात्मक और दीर्घकालिक संबंधों पर जोर दिया।

भारत–अमेरिका के संबंधों में तनाव कम करने की कोशिशें तेज

दरकते रिश्तों को संभालने में जुटे पीएम मोदी और ट्रंप

"मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूंगा, वह एक महान प्रधानमंत्री हैं, वह महान हैं... मुझे बस इस समय वह जो कर रहे हैं वह पसंद नहीं है, लेकिन भारत और अमेरिका के बीच एक विशेष रिश्ता है. इसमें चिंता की कोई बात नहीं है."

• अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

मोदी महान पीएम, भारत के साथ विशेष संबंध, लचता की कोई बात नहीं: ट्रंप

हमारे संबंधों को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं का बहुत ही आदर– पीएम मोदी

नई दिल्ली,एजेंसी। एक दिन पहले भारत के चीन के खेमे में जाने को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बेहद विवादास्पद टिप्पणी की थी। इससे दोनों रणनीतिक साझेदार देशों के रिश्तों में बहुत ही ज्यादा तनाव आने की संभावना भी विशेषज्ञ जताने लगे थे। लेकिन इसके कुछ ही घंटे बाद दोनों देशों के शीर्ष नेताओं की तरफ से संबंधों में घुल रहे तनाव को दूर करने की महत्वपूर्ण कोशिश की गई है। पहले ट्रंप ने पीएम मोदी को एक महान प्रधानमंत्री बताते हुए भारत व अमेरिका के संबंधों को विशेष बताया और कहा कि कभी कभार इसमें कुछ विवाद हो जाते हैं लेकिन समस्या की कोई बात नहीं है। इसके कुछ ही देर बाद पीएम नरेन्द्र मोदी ने भी ट्रंप के उक्त बयान की प्रशंसा की और कहा कि दोनों देशों की बीच काफी सकारात्मक संबंध हैं और वो दीर्घकालिक संबंध के एजेंडे पर काम कर रहे हैं।

ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ की

ट्रंप से उनके कार्यालय में पत्रकारों ने पूछा कि क्या वह मौजूदा समय में भारत के साथ संबंधों का आदर करने को तैयार हैं, तो उनका जवाब था, "मैं हमेशा करता हूं, आगे भी करुंगा। आप सब जानते हैं कि पीएम मोदी के साथ मैं हमेशा एक अच्छा मित्र रहूंगा। वह एक महान पीएम हैं, वह शानदार हैं। अभी वह जो कर रहे हैं मुझे पंसद नहीं। लेकिन भारत व अमेरिका के बीच विशेष संबंध हैं। इसको लेकर चिंता की कोई बात नहीं है। कभी कभी कुछ मुद्दे उभर जाते हैं।" हालांकि ट्रंप ने यह भी साफ कर दिया कि रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर अमेरिका का रुख नरम नहीं हुआ है। ट्रंप ने आगे कहा है, "इस बात से बहुत निराश हूँ कि भारत रूस से इतना तेल खरीद रहा है और मैंने उन्हें बता दिया कि हमने भारत पर बहुत भारी 50 फीसद शुल्क लगाया है। मेरी मोदी के साथ बहुत अच्छी बनती है, वह शानदार हैं। वह कुछ महीने पहले यहां आए थे।"

पीएम मोदी ने दी प्रतिक्रिया

सोशल मीडिया एक्स पर इस बयान के आने के कुछ ही देर बाद पीएम मोदी ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया जताई। उन्होंने कहा, "मैं राष्ट्रपति ट्रम्प की भावनाओं और हमारे संबंधों के सकारात्मक मूल्यांकन की गहराई से सराहना करता हूँ और उसी भावना के साथ जवाब देता हूं। भारत और अमेरिका के बीच बेहद सकारात्मक व दीर्घकालिक समग्र व वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है।" चार–पांच हफ्तों के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से किये जाने वाले कई आपत्तिजनक बयानों पर भारत ने कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं जताई थी। उन्होंने इस दौरान भारत की इकोनमी के डूब जाने और भारत के चीन के पाले में जाने तक की बात कही लेकिन भारत ने चुप्पी साधी रही। यह पहला मौका है कि जब शीर्ष स्तर पर भारत ने सकारात्मक प्रतिक्रिया जता कर रिश्तों को और नहीं बिगड़ने देने की पहल की है।

भारत–अमेरिका का रिश्ता रहा है मजबूत

जानकारों का मानना है कि ट्रंप ने भारत के चीन के पाले में जाने की जो बात कही है उससे सबसे ज्यादा अमेरिका की छवि को ही नुकसान पहुंचा है। उनके बयान को अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से वैश्विक शक्ति के तौर पर चीन को स्वीकार करने के तौर पर देखा जा रहा है। और यह बयान इस बात की स्वीकारोक्ति है कि अमेरिका वैश्विक कूटनीति में चीन से पिछड़ चुका है। अमेरिका की पूर्व की कम से कम पांच सरकारों ने भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को धीरे धीरे आगे बढ़ाने की जो कोशिश की है उसे ट्रंप के अनर्गल बयानों से काफी नुकसान पहुंचा है। अब देखना होगा कि दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के सामने आने से रिश्तों में गिरावट का दौर समाप्त होता है या नहीं। वैसे कारोबारी समझौते के जिन मुद्दों पर दोनों देशों में तनाव आया है।

कमरे का दरवाजा खोलते ही उड़े पिता के होश

घरवालों ने डिब्बे में बंद किया कोबरा

संभल,संवाददाता। किशोरी के पिता होराम सिंह ने बताया कि बेटी घर के कमरे में सो रही थी। रात में करीब तीन बजे बेटी के चीख–चिल्लाने की आवाज आई। बेटी के पास पहुंचे तो उसने गर्दन में सांप के डसने की बात बताई। यूपी के संभल स्थित हयातनगर थाना क्षेत्र के गांव धनेटा सोतीपुरा में गुरुवार की रात करीब तीन बजे सोते वक्त अंजलि (17) पुत्री होराम सिंह को सांप ने डस लिया। परिजनों का कहना है कि सांप ने दो बार डसा है। इससे उसकी हालत बिगड़ गई। परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, घटना के बाद सांप को पकड़कर डिब्बे में बंद कर दिया है, परिजन सांप लेकर अस्पताल भी पहुंचे।

गोरखपुर के 'मरीज माफिया'

रात में सजता है बाजार...एक मरीज पर मिलते हैं 25 हजार

गोरखपुर,संवाददाता। हाल ही में पुलिस ने एंबुलेंस माफिया पर शिकंजा कसा है। रात में मेडिकल कॉलेज के पास घूम रहे पांच एंबुलेंस को सीज कर दिया। इसके बाद से पुलिस लगातार रात में गश्त कर रही है। इससे काफी हद तक एंबुलेंस माफिया की गतिविधियां कम हुई हैं।शहर में बीआरडी मेडिकल कॉलेज के आसपास मरीज माफिया काफी समय से सक्रिय हैं। रात के समय यह खेल और भी तेज हो जाता है। एंबुलेंस चालकों से लेकर दलालों और कुछ अस्पतालों से जुड़े लोगों तक की मिलीभगत से यह नेटवर्क काम करता है। एक–एक मरीज पर 25 हजार रुपये तक का कमीशन बांटा जाता है। सूत्रों के अनुसार, यह पूरा खेल तब शुरू होता है जब किसी गंभीर मरीज को मेडिकल कॉलेज या अन्य सरकारी अस्पतालों में लाया जाता है। मरीज की हालत देखकर एंबुलेंस चालक या बिचौलिए परिजनों को बहकाते हैं और कहते हैं कि यहां इलाज सही से नहीं हो पाएगा। वे उन्हें निजी अस्पताल ले जाने के लिए तैयार करते हैं। बीमारी की गंभीरता जितनी अधिक होती है, कमीशन की रकम भी उतनी ही ज्यादा तय होती है। सूत्रों ने बताया कि इस धंधे में कई बार अस्पताल से जुड़े कर्मचारी भी भूमिका निभाते हैं। जैसे ही उन्हें पता चलता है कि कोई मरीज आर्थिक रूप से सक्षम है और उसका इलाज लंबा चल सकता है, वे बिचौलियों से संपर्क साधते हैं। इसके बाद मरीज के परिजनों को डराकर या लालच देकर निजी अस्पताल ले जाया जाता है।

एक गंभीर मरीज को भर्ती कराने पर बिचौलियों को 15 से 25 हजार रुपये तक की रकम थमा दी जाती है। वहीं, सामान्य मरीजों पर भी पांच से 10 हजार रुपये तक का खेल चलता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मेडिकल कॉलेज के आसपास देर रात इस तरह के बिचौलिए सक्रिय रहते हैं। एंबुलेंस चालकों के लिए यह आय का बड़ा जरिया बन चुका है। यही कारण है कि कई बार वे मरीज को सरकारी अस्पताल तक पहुंचाने की बजाय सीधे निजी अस्पताल की ओर मोड़ देते हैं।

पुलिस की कार्रवाई के बाद कम हुई गतिविधि

हाल ही में पुलिस ने एंबुलेंस माफिया पर शिकंजा कसा है। रात में मेडिकल कॉलेज के पास घूम रहे पांच एंबुलेंस को सीज कर दिया। इसके बाद से पुलिस लगातार रात में गश्त कर रही है। इससे काफी हद तक एंबुलेंस माफिया की गतिविधियां कम हुई हैं।

संक्षिप्त खबरें

विश्वास और रिश्तों की हत्या के बाद घड़ियाली आंसू!

पति की लाश से लिपट कर रोती रही पत्नी, बाद में वही निकली कातिल, सुलतानपुर में पत्नी और प्रेमी ने मिलकर पति की हत्या की

दिल्ली की रातें होंगी और भी लज़ीज़, कनॉट प्लेस और इंडिया गेट पर जल्द शुरू होगा नाइट फूड मार्केट

- NDMC ने कनॉट प्लेस और इंडिया गेट पर अलग-अलग प्रकार के फूड ट्रक को हरी झंडी दे दी है।
- अब दिल्ली वाले रात के 10:30 बजे तो। बजे तक मज़े ले पाएंगे, बिना गाड़ियों की भीड़भाड़, सिर्फ खाना और मस्ती !

महाराष्ट्र में टेस्ला की एंट्री!

- महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने देश की पहली टेस्ला मॉडल वाई कार खरीदी है
- पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ अपने पोते को यह कार गिफ्ट की

शिल्पा शेट्टी-राज कुंद्रा की बढ़ीं मुश्किलें जारी किया गया लुकआउट नोटिस

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही हैं. 60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में दोनों का नाम सामने आया था और अब इसी केस में दोनों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है.

पहले किया इनकार..लेकिन अब नीतीश कुमार ने पहन ली टोपी

सम्पादकीय

बारिश का कहर

गुरुग्राम की सड़कों पर भारी जाम की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई रहीं। किसी रिहायशी इमारत की ऊंची मंजिल से लिए गए वीडियो और तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि सड़कों पर गाड़ियां चल नहीं रही थीं, रेंग रही थी। बताया जा रहा है कि यह जाम करीब 20 किमी लंबा था। अमूमन जो सफर आधे घंटे में तय होता था, उसमें लोगों को पांच–छह घंटे लग गए। अपनी–अपनी गाड़ियों में फंसे लोग इस अव्यवस्था पर नाराज तो हुए, लेकिन शायद जनता अब तक यह तय नहीं कर पाई है कि असल में नाराजगी किस पर उतारना है। अगर यह समझ विकसित होती तो जिस शहर में कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तर हैं, सौ–सौ करोड़ के आलीशान घर हैं, भव्य मॉल्स बने हैं, वहां का रख–रखाव इतना बुरा नहीं होता। गुरुग्राम में बारिश से जाम और सड़कों के नदियों में तब्दील होने की घटना केवल 2025 की नहीं है, बरसों से यही होता आ रहा है। लेकिन अब भी जिम्मेदारी लेने की जगह पुरानी सरकारों पर ठीकरा फोड़ा जा रहा है। पिछले 11 सालों से केंद्र और हरियाणा दोनों जगह बीजेपी ही सत्ता में है, लेकिन भाजपा सांसद निशिकांत दुबे कह रहे हैं कि बिना सरकारी प्लानिंग के प्राइवेट बिल्डर्स इंडियन नेशनल कांग्रेस के साथ मिलकर भ्रष्टाचार का शहर बनाएंगे तो गुरुग्राम जैसा शहर ही बनेगा। लेकिन उनसे पूछा जा सकता है कि अगर गुरुग्राम भ्रष्टाचार की बुनियाद पर बना था, तो उसका नाम गुड़गांव से गुरुग्राम करने से पहले भ्रष्ट तरीकों से बनी इमारतों, सड़कों को बुलडोजर से भाजपा ने ध्वस्त क्यों नहीं कर दिया। 11 सालों में तो कई भ्रष्टाचारियों का पता लगाया जा सकता था, तो किसी को अब तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया। जाहिर है भाजपा का कोई इरादा व्यवस्था में सुधार का नहीं है। चूंकि गुरुग्राम या दिल्ली की खबरें राष्ट्रीय मीडिया में लाना सबसे आसान है, इसलिए गुरुग्राम की बदहाली नजर आ रही है। वर्ना सारे देश का बारिश में यही हाल हो जाता है, क्योंकि शहर प्रबंधन की बारीकियों से ज्यादा दिखावटी सौंदर्यीकरण में सरकार की दिलचस्पी रहती है। इसमें ठेकेदारों को मनचाहे दामों पर काम मिलता रहता है, जनता भी इस मुगालते में पड़ी रहती है कि उसका शहर वर्ल्ड क्लास बनने वाला है। कहीं सिंगापुर सिटी बनती है, कहीं क्योटो और शंघाई के सपने दिखाए जाते हैं। जनता का गरीब तबका तो झुग्गियों में ही रहने को मजबूर है, उसने न दुनिया के शहर देखे, न वो जानता है कि गरिमामय जीवन की असल परिभाषा क्या है। लेकिन जिन लोगों ने विदेशों की सैर की है, वे भी यह समझ नहीं पा रहे कि वहां अधोसंरचना तैयार करने का जिम्मा विशेषज्ञों के पास रहता है, उन पर राजनैतिक दबाव नहीं रहता। भारतीय नेता सत्ता में आने के बाद विकास के अध्ययन के लिए विदेशों की सैर तो कर आते हैं, लेकिन उसका हासिल क्या होता है, यह किसी रिपोर्ट कार्ड में दर्ज नहीं होता। जब चुनाव आते हैं तो बिजली, सड़क, पानी के वादे घोषणापत्र का हिस्सा बन जाते हैं, लेकिन उस समय भी न जनता पिछला हिसाब मांगती है, न सत्ताधारी दल ये बताते हैं कि क्यों दो–तीन की बारिश भी हमारे शहर–कस्बे झेल नहीं पा रहे हैं। ।सेव दिल्ली में इमारतें, सड़कें डूब रही हैं, तो उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब में खेत–खलिहान, मवेशी, घर डूब रहे हैं। बाढ़ और भूस्खलन के लिए जलवायु परिवर्तन को दोष देना अब सबसे आसान बहाना हो गया है। लेकिन ऐसे बहानों की आड़ में छिपने वाले यह भूल रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन केवल भारत के लिए नहीं है, दुनिया भर के लिए है। दरअसल पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और नदियों में उफान की सबसे बड़ी वजह यही है कि बिना सोचे–समझे यहां निर्माण कार्य हुआ है। अंग्रेजों ने भी भारत में पहाड़ों पर निर्माण किए, लेकिन उससे पहले उन्होंने परखा था कि कौन से पहाड़ मजबूत हैं, कौन से नहीं। यही वजह है कि हिमाचल रेलवे, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एंडवारस्ड स्टडीज़, देहरादून, रानीखेत आदि में अंग्रेजों की बनाई सड़कें सौ साल बाद अब भी सलामत हैं। जबकि कुछ साल पहले बनी इमारतें, सड़कें, पुल सब गिर रहे हैं। बरतने की जरूरत अभी उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण देहरादून, टिहरी, पौड़ी गढ़वाल, बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल, उधम सिंह नगर और हरिद्वार जिलों में रेड अलर्ट जारी है। लेकिन आम जनजीवन लंबे वक्त से प्रभावित चल रहा है। उत्तरकाशी के कूपड़ा गांव से 12 किलोमीटर दूर राजकीय इंटर कॉलेज राणाचट्टी में 13 गांवों के छात्र पढ़ते हैं। लेकिन पिछले दो महीने से बच्चे स्कूल नहीं आ पा रहे, क्योंकि सड़कें बह चुकी है। दसवीं और बारहवीं की प्री–बोर्ड परीक्षाएं फरवरी में और बोर्ड परीक्षाएं मार्च में होनी हैं। ऐसे में यहां पढ़ने वाले बच्चे किस तरह पाठ्यक्रम पूरा करेंगे और परीक्षा के लिए तैयार रहेंगे, इसका कुछ पता नहीं है। बच्चे किस मानसिक संताप से गुजर रहे होंगे, इसका अंदाजा सरकार को नहीं होगा। इधर पंजाब में भी हालात बिगड़ रहे हैं। राज्य के आठ जिलों के सैकड़ों गांव जलमग्न हो गए हैं और कम से कम 24 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से ज्यादातर इमारतें गिरने की वजह से हुई हैं। भाखड़ा और रंजीत सागर जैसे बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण सतलुज, व्यास और रावी नदियां उफान पर आ गई हैं। किसानों की फसलें डूब गई हैं, खासकर आलू की फसल काटने का यही वक्त है, लेकिन खेतों में पानी भरा है। अब जब पानी उतरेगा, तो कितना नुकसान हुआ है, इसका आकलन हो सकेगा। लोगों के घरों में पानी भर गया है तो वे छतों पर रह रहे हैं और अपने साथ मवेशियों को भी रख रहे हैं, ताकि उन्हें कोई चुरा न ले।

राहुल गांधी की परीक्षा का वक्त

इस यात्रा को सफल बताने में हर्ज नहीं है और इसके चलते कांग्रेसी कार्यकर्ता तो उत्साह में आए ही हैं(जिनकी संख्या काफी कम है) लेकिन राजद और भाकपा–माले के लोग ज्यादा उत्साह में हैं। एनडीए से चुनावी मुकाबला तो मुख्य रूप से उन्हे ही करना है। यह उत्साह चुनाव तक कायम रहता है या नहीं, यही राहुल ऐंड कंपनी की मुख्य चुनौती है। सोमवार शाम को जब सारे अंग्रेजी और बड़े चैनल प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा, चीनी नेता जिनपिंग और रूसी पुतिन के साथ घनिष्टता बताती तस्वीरे दिखाने और विशेषज्ञों से उनका मतलब बताने तथा मोदी जी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा किए भारत विरोधी फैसलों की काट ढूंढने का दावा कर रहे थे तब अधिकांश छोटे चैनल और यू ट्यूब वाले प्रसारण बिहार की राजधानी में राहुल गांधी–तेजस्वी की रैली की चर्चा में मगन थे। इसका कारण क्या हो सकता है पर इतना साफ है कि राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा ने भी बराबरी की दिलचस्पी पैदा की है। पहली सितंबर को उसका समापन था और भारी भीड उमड़ी थी। यह भी हुआ कि प्रशासन ने आयोजकों को गांधी मैदान में सभा की इजाजत नहीं दी तो वे अंबेडकर चौक तक जाना चाहते थे। रैली को वहां तक भी पहुंचने नहीं दिया गया। शुरुआती योजना लोगों की भारी भीड़ के साथ इंडिया गठबंधन के नेताओं को जुटाकर राजनैतिक संदेश देने की थी पर नीतीश राज में शायद पहली बार इस तरह की राजनैतिक रोक–टोक दिखाई दी। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी को सासाराम में अपनी यात्रा की शुरुआत की इजाजत भी काफी देर से दी गई और रात के अंधेरे में मोटरसाइकिल के हेडलैंप की रोशनी में हेलीपैड बनाना पड़ा। सब मुश्किलें पार करके यात्रा में सफल रहने के बाद अब उनकी असली परीक्षा शुरू हो रही है। अब नीतीश कुमार जैसे मंझे हुए राजनेता को यह सब कदम क्यों उठाना पड़ा यह तो वही बताएंगे लेकिन यह बिहार की राजनीति की संस्कृति नहीं है। सिर्फ जेपी आंदोलन के समय ऐसी रोक–टोक की असफल कोशिश कांग्रेसी सरकार ने की थी लेकिन स्टीमर बंद कराने के बावजूद नौजवान भरी गंगा को केले के पेड़ों को जोड़कर बनाई कामचलाऊ डोंगी से पार करके पटना जुट गए। उल्लेखनीय है कि तब पटना में कोई पुल न था और उत्तर बिहार वालों को स्टीमर के सहारे ही राजधानी आना होता था। तब यह भी हुआ कि जब कांग्रेस के आपातकाल लगाने के समर्थन में कम्युनिष्ट पार्टी ने पटना में रैली की तो उनके लोगों को स्टीमर घाट के कुलियों से भिड़ना पड़ा जो बच्चों का हाल देखकर नाराज थे। इस बार वैसी स्थिति तो नहीं थी लेकिन राहुल गांधी और बड़े नेताओं की सुरक्षा का सवाल बार–बार उठता रहा। और इसी में दरभंगा में जब एक घुसपैठी ने मंच से प्रधानमंत्री की मां को गाली दे दी तो स्वाभाविक तौर पर बड़ा बवाल मचा। भाजपा के लोग इसे ही मुद्दा बनाकर पूरी यात्रा के राजनैतिक 'पुण्य' को खत्म करना चाहते थे। कई जगह झड़प भी हुई, हिंसा हुई लेकिन बहुत ज्यादा बात नहीं बढ़ी। असल में कांग्रेस का संगठन अभी उस स्तर पर भाजपा से लोहा लेने लायक है भी नहीं। लेकिन इस यात्रा को सफल बताने में हर्ज नहीं है और इसके चलते कांग्रेसी कार्यकर्ता तो उत्साह में आए ही हैं(जिनकी संख्या काफी कम है) लेकिन राजद और भाकपा–माले के लोग ज्यादा उत्साह में हैं।

एनडीए से चुनावी मुकाबला तो मुख्य रूप से उन्हे ही करना है। यह उत्साह चुनाव तक कायम रहता है या नहीं, यही राहुल ऐंड कंपनी की मुख्य चुनौती है। पहले भारत यात्रा, राफेल घोटाला, मोहब्बत की दुकान और सावरकर समेत कई मसलों पर वे ठीक–ठाक हवा बनाने में सफल रहे हैं लेकिन संगठन उस उत्साह को बढ़ाने में ही नहीं बरकरार रखने में भी सक्षम नहीं है। खुद राहुल भी मुद्दा बदल कर पुराने को भूल जाते रहे हैं। अब यह गाली कांड क्यों और कैसे हुआ? इसकी जांच हो रही है। उसका क्या नतीजा आएगा और तब वह कोई राजनैतिक हवा बचेगी यह कहना मुश्किल है। और अभी मोदी जी कुछ और धंधों में उलझे हैं। जब वे मां को गाली वाला प्रकरण लेकर बिहार में भाषण शुरू करेंगे तब क्या असर होगा यह भविष्यवाणी भी मुश्किल है। इस यात्रा ने ठीक–ठाक हलचल मचाई है। मीडिया कवरेज और सामने आए ओपिनियन पोल भी इसकी पुष्टि करते है और जो प्रतिक्रिया कांग्रेसियों और इंडिया गठबंधन के साथियों की है वह भी इसकी पुष्टि करता है। सारा विपक्ष नए सिरे से एक हुआ है। कांग्रेस और इंडिया गठनबंधन के लिए यह चीज फायदे की हो सकती है कि अब बिहार चुनाव में ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। अभी से सिर्फ वही लोग नहीं विपक्ष भी उतना ही सक्रिय हो गया है। खुद प्रधानमंत्री के कई दौरे हो चुके हैं और बिहार सरकार चुनावी रेवादियां घोषित करने लगी है। दो ढाई महीन में आधे से ज्यादा व्यक्त तो चुनाव का ही रहेगा और बाकी में गठबंधन बनाना और सीटों का हिसाब लगाना होगा। इस रैली ने इंडिया गठबंधन का काम आसान किया है जबकि चिराग पासवान और प्रशांत किशोर के चलते इंडिया एनडीए को परेशानी दिखने लगी है। राहुल गांधी ने वोट चोरी को मोदी और शाह की जोड़ी तथा भाजपा की चुनावी सफलता से जोड़ने की कोशिश की है। कुछ बात बनी है पर वोट चोरी का सवाल सीधे चुनाव आयोग के नाम जाता है जिसने हाल में अपना व्यवहार बहुत बदला है और अदालती दखल के चलते जिसे अपनी मूर्खतापूर्ण जिद छोड़नी पड़ी है। अभी भी लाखों आपत्तियां हैं और आयोग ने नामांकन के दिन तक आपत्ति स्वीकारने और शिकायतों का निपटारा करने का वायदा किया है। अगर आयोग का व्यवहार बदला तो राजनैतिक मुद्दा भी हल्का होगा। लेकिन जब एक–एक ब्लाक में हजारों आवेदन फीस के साथ आ चुके हैं तो निवास प्रमाणपत्र या जन्म प्रमाणपत्र देना भी एक काम होगा। अभी ही एक जोकीहाट ब्लाक में निवास के पचास हजार आवेदन आने की खबर है। ब्लाक का सारा स्टाफ जुट जाए तब भी रोज हजार प्रमाणपत्र देना मुश्किल है। और अगर ब्लाक के लोग यह काम कर सकते हैं तो विशेष सर्वेक्षण वाले बीएलओ क्यों नहीं कर सकते थे।

विनाशकारी विकास की देन हैं ये कुदरती आपदाएं

पर्यावरण संरक्षण संबंधी कानूनों के तहत पहाड़ी और वन्य इलाकों में कोई भी औद्योगिक या विकास परियोजना शुरू करने के लिए स्थानीय पंचायतों की अनुमति जरुरी होती है, लेकिन राज्य सरकारें जमीन अधिग्रहण संबंधी अपने विशेषाधिकारों का इस्तेमाल करते हुए विकास के नाम पर आम तौर पर कंपनियों के साथ खड़ी नजर आती हैं। पिछले महीने उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने से भीषण तबाही हुई थी तो सरकार के विकास प्रेमी राजनीतिक नेतृत्व, प्रशासन तंत्र और मीडिया ने मोटे तौर पर यही माना था कि उत्तराखंड में ऐसी कुदरती आपदाएं आती रहती हैं, लेकिन बात इतनी सामान्य नहीं है। दरअसल हिमालय के किसी भी क्षेत्र में आने वाली आपदा आम तौर पर स्थानीय नहीं होती है। उत्तराखंड के साथ ही पिछले एक हफ्ते से ज्यादा समय से पंजाब, कश्मीर, और हिमाचल प्रदेश में भीषण बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने से मची तबाही पिछले महीने उत्तरकाशी में आई आपदा का ही विस्तार है। ताजा आपदा में गांव के गांव डूब गए हैं, लाखों लोग बेघर हो गए हैं और करीब 500 लोगों के मारे जाने की खबर है। मारे गए लोगों का यह आंकड़ा सरकारी है, वास्तविक मृतक संख्या कहीं ज्यादा ही होगी। जलवायु चक्र में हो रहे परिवर्तन से भी जोड़कर देखा जाता है लेकिन असल में यह मनुष्य की खुदगर्जी और विनाशकारी विकास की भूख से उपजा संकट ही है।

इस विकास के तहत पर्वतीय इलाकों में बड़े–बड़े बांध, बड़े–बड़े पॉवर प्रोजेक्ट, सीमेंट कांक्रीट की भारी–भरकम इमारतें, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऑल वेदर रोड, मौज–मस्ती के लिए सितारा होटल, रिसोर्ट्स आदि आए दिन तबाही का सबब बन रहे हैं। अभी तो यह तबाही महज पहाड़ों तक सीमित है परन्तु विशेषज्ञों का मानना है कि यह जल्दी ही तराई के इलाकों तक पहुंचने वाली है और देश के बाकी हिस्से भी इससे अछूते नहीं रहेंगे।

पिछली बार जब 2013 में केदारनाथ और 2014 में कश्मीर में बाढ़ से भीषण विनाश हुआ था, तब तमाम अध्ययनों के आधार पर चेतावनी दी गई थी कि अगर पहाड़ों की अंधाधुंध कटाई और नदियों के बहाव से अतार्किक छेड़छाड़ या उनका अंधाधुंध दोहन नहीं रोका गया तो नतीजे और ज्यादा व्यापक तथा भयावह होंगे। कुछ साल पहले पूर्वोत्तर में आए भूकंप के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय के आपदा प्रबंधन विभाग से जुड़े वैज्ञानिकों ने भी चेतावनी दी थी कि पहाड़ों और नदियों से छेड़छाड़ का सिलसिला रोका नहीं गया तो आने वाले समय में समूचे उत्तर भारत में भीषण तबाही मचाने वाला भूकंप आ सकता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली सहित देश के कई इलाकों में भूकंप के झटके आ भी चुके हैं।

इन सारी आपदाओं और उनके मद्देनजर दी गई चेतावनियों का एक ही केंद्रीय संकेत रहा है कि हिमालय को लेकर अब हमें गंभीर हो जाना चाहिए। दुनिया के जलवायु चक्र में तेजी से हो रहे परिवर्तन के चलते हिमालय का मामला इसलिए भी बहुत ज्यादा संवेदनशील है क्योंकि यह दुनिया की ऐसी बड़ी पर्वतमाला है, जिसका अभी भी विस्तार हो रहा है। इस पर मंडराने वाला कोई भी खतरा सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि चीन, नेपाल, भूटान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार आदि देशों के लिए भी संकट खड़ा कर सकता है। खतरे की तमाम चेतावनियों और आहटों के बावजूद न तो सरकारें सचेत हैं और न ही आम लोग। दोनों की ओर से विनाशकारी विकास की गतिविधियां धड़ल्ले से जारी हैं। इस सिलसिले में मध्य हिमालयी भूभाग की कच्ची चट्टानें काटकर बनाए जा रहे विशाल बांधों के अलावा चार धाम ऑल वेदर रोड परियोजना उल्लेखनीय है, जिसका काम इस समय वहां जोर–शोर से जारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस स्वप्निली परियोजना के काम की तेजी और मशीनों का शोर इतना ऊंचा है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के नोटिसों की फड़फड़ाहट भी किसी को सुनाई नहीं देती। यह चार हिंदू तीर्थों बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री को आपस में चौड़ी और हर मौसम में खुली रहने वाली आठ लेन की सड़क से जोड़ने की परियोजना है।

इस परियोजना के तहत धडल्ले से साफ किए जा रहे जंगल और पहाड़ों को काटने के लिए किए जा रहे विस्फोट ही वहां आपदा को न्योता दे रहे हैं। हिमालय पर्वतमाला को भले ही दुनिया में सबसे नई पर्वतमाला माना जाता हो, लेकिन तथ्य यह भी है कि इसी हिमालय की गोद में दुनिया की कई महान सभ्यताओं का जन्म और विकास हुआ है। कॉकेशश से लेकर भारत के पूर्वी छोर से भी आगे म्यांमार में अराका नियोमा तक सगरमाथा यानी माउंट एवरेस्ट की अगुवाई में फैली हुई विभिन्न पर्वतमालाएं हजारों वर्षों के दौरान विभिन्न सभ्यताओं के उत्थान और पतन की गवाह रही हैं। इन्हीं पर्वतमालाओं के तले सिंधु घाटी की सभ्यता से लेकर मोहनजोदड़ो की सभ्यता तक का जन्म हुआ। इन्हीं पर्वत श्रृंखलाओं की बर्फीली चट्टानों ने साईबेरिया की बर्फीली हवाओं के थपेड़ों से समूचे दक्षिण एशिया के बाशिंदों की रक्षा की और इस इलाके में दूर–दूर तक फैले हुए किसानों, वनवासियों और अन्य समूहों को फलने–फू लने में भी भरपूर मदद की।

प्रधान प्रतिनिधि और पूर्व प्रधान के स्वजन में जमकर हुई मारपीट

संवाददाता, सहजनवां । गोरखपुर के सहजनवां क्षेत्र के नारंगपट्टी गांव में प्रधान प्रतिनिधि और पूर्व प्रधान के परिजनों के बीच मारपीट हो गई। प्रधान प्रतिनिधि मंजीत गौंड ने पूर्व प्रधान के परिजनों पर बुलेट और सोने की चेन छीनने का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों पक्षों के एक–एक व्यक्ति का शांति भंग में चालान किया है और मामले की जांच कर रही है। नारंगपट्टी में रविवार को प्रधान प्रतिनिधि और पूर्व प्रधान के स्वजन के बीच कहासुनी के बाद जमकर मारपीट हो गई। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि ने बुलेट और सोने की चेन छीनने का आरोप लगाया है। सहजनवां थाने में दोनों पक्षों में काफी देर तक पंचायत चली। इसके बाद एक–दूसरे पर आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रधान प्रतिनिधि मंजीत गौंड ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि रविवार को अपने घर पर बैठे थे। तभी गांव के पूर्व प्रधान के स्वजन घर में घुस आए और गाली–गलौज करने लगे।

स्वजन ने किस पर लगाया मारपीट का आरोप?

विरोध पर मारपीट की और घर में खड़ी बुलेट बाइक और गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। वहीं, पूर्व प्रधान के स्वजन ने भी मंजीत गौंड पर मारपीट का आरोप लगाया है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले आई। थाने में काफी देर तक चली पंचायत के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों से एक–एक व्यक्ति का शांति भंग की धारा में चालान कर दिया। थाना प्रभारी महेश चौबे ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच मारपीट की पुष्टि हुई है। तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है।

प्रेमिका को फोन कर युवक ने उसके घर के सामने खाया जहर, मौत

संवाददाता, कैंपियरगंज। कैंपियरगंज में एक युवक ने गांव की प्रेमिका को फोन कर जहरीला पदार्थ खा लिया। अस्पताल में उपचार के दौरान शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। इसके पूर्व प्रेमिका के घर में घुसने पर युवक को पीटा गया था। जिस मामले में मछलीगांव चौकी पर समझौता हुआ था। युवक की मौत के बाद उसके पिता ने कैंपियरगंज थाने में तहरीर दी। पिटाई से आहत और गांव के कुछ लोगों पर उकसाने का आरोप लगाया। पुलिस ने 11 लोगों पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक गांव के किस्मत अली का घर से थोड़ी दूरी पर दो बच्चों की मां से प्रेम हो गया था। 29 जुलाई की रात 10 बजे वह प्रेमिका के घर में घुसा था। घर वालों ने चोर का शेर मचाते हुए उसकी पिटायी कर दी। घटना की सूचना पर मछलीगांव चौकी पुलिस पहुंची और उसे चौकी पर ले गई। दूसरे दिन गुरुवार को पंचायत में कुछ लेनदेन के बाद समझौता हो गया। इसके बाद किसमत अली को उसका पिता अकबर अली साथ में ले जाने लगा। रास्ते में किसमत ने कहा कि रुपये क्यों दिए, उसने महिला को लाखों रुपये दिया है। इसके बाद वह साइकिल से कूदकर भाग गया। देर शाम घर पहुंचने के बाद उसने प्रेमिका को फोन किया। कई बार फोन करने पर महिला ने फोन आया।

हिन्दू लड़कियों को घुमाने के नाम पर नेपाल ले जा रहे थे मुस्लिम लड़के

नेपाल सीमा पर हिन्दू लड़कियां, मुस्लिम लड़के , खुफिया एजेंसियां जांच में जुटी

गोरखपुर,संवाददाता । नेपाल की सोनौली सीमा पर तीन मुस्लिम युवकों के साथ मिली हिंदू लड़कियों का मामला लव जिहाद के एंगल पर घूम गया है। खुफिया एजेंसियां पता लगाने में जुटी हैं कि इन लड़कियों को नेपाल क्यों ले जाया जा रहा था। क्या यह केवल इंस्टाग्राम पर दोस्ती का मामला था या इसके पीछे कोई गहरी साजिश थी? पुलिस मुख्यालय ने महराजगंज पुलिस से रिपोर्ट मांगी है और गोरखपुर पुलिस को भी गहन जांच के निर्देश दिए गए हैं।

नौ जून 2025 की रात, सोनौली सीमा पार कर नेपाल जा रही तीन लड़कियों को पुलिस और एनजीओ की टीम ने रोक लिया। पूछने पर उन्होंने पीछे आ रहे तीन लड़कों की ओर इशारा किया। पूछताछ में लड़कों की पहचान आजमगढ़ के निजामाबाद–चकिया के अयान खान, हुसैनाबाद के वासित खान और सरायमीर क्षेत्र के एक 15 वर्षीय किशोर के रूप में हुई।

गोरखपुर की रहने वाली थीं दो नाबालिग

लड़कियों में दो नाबालिग गोरखपुर के कोतवाली की थीं, तीसरी जौनपुर की थी। तीनों लड़कियां हिंदू थीं। एक ने बताया कि वासित खान से उसकी दोस्ती मुंबई में हुई थी और फिर इंस्टाग्राम व मोबाइल फोन पर बातचीत आगे बढ़ी। वह एक–दूसरे को पहले से नहीं जानती थीं और उनका धर्म भी अलग है। पुलिस ने लड़कों और लड़कियों को गोरखपुर कोतवाली थाने को सौंपा।

गोरखपुर में नेपाल सीमा पर तीन मुस्लिम युवकों के साथ हिंदू लड़कियों के मिलने से लव जिहाद का संदेह गहरा गया है। खुफिया एजेंसियां जांच कर रही हैं कि लड़कियों को नेपाल क्यों ले जाया जा रहा था। क्या यह सिर्फ दोस्ती थी या कोई साजिश? पुलिस मुख्यालय ने रिपोर्ट मांगी है और गहन जांच के निर्देश दिए हैं।

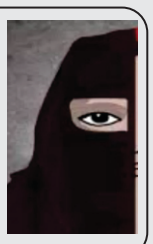

पूछताछ के बाद सभी को छोड़ दिया गया। लेकिन मामला उच्चाधिकारियों तक पहुंचा, तो सभी चौकन्ना हो गए। पुलिस मुख्यालय ने तत्काल रिपोर्ट मांगी और जांच का दायरा बढ़ा दिया। 25 अगस्त को महराजगंज पुलिस ने इस मामले में उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजी, जिसमें लिखा गया कि लड़के–लड़कियों को गोरखपुर कोतवाली थाने के दारोगा को सौंप दिया गया था। वहीं, गोरखपुर पुलिस ने जांच के दौरान कोई ठोस जानकारी सामने न आने की बात कही। लेकिन खुफिया एजेंसियां अब हर एंगल पर छानबीन कर रही हैं।

सबसे बड़ा सवाल, क्यों बुलाया नेपाल

सबसे अहम पहलू यह है कि आखिर इन युवकों ने लड़कियों को नेपाल ही क्यों बुलाया? गोरखपुर, वाराणसी या लखनऊ जाने की बजाय नेपाल का चुनाव संदेह पैदा कर रहा है। एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि सीमा पार करने के बाद इनका अगला पड़ाव कहां होता। क्या वहां कोई और व्यक्ति इनका इंतजार कर रहा था? या फिर यह किसी बड़े नेटवर्क से जुड़ने का हिस्सा था? एजेंसियां लव जिहाद की आशंका पर भी काम कर रही हैं। नेपाल की खुली सीमा के जरिए किसी तस्करी या अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ाव के तार तलाशे जा रहे हैं। अभी तक की जांच में लड़कियों ने नेपाल घूमने की बात कही है, लेकिन एजेंसियां इस बयान को पर्याप्त नहीं मान रही हैं। मामले की पूरी रिपोर्ट जल्द ही लखनऊ भेजी जाएगी।

कर्ज में डूबे प्रापर्टी डीलर ने सर्राफ के बेटे से मांगी थी 3 लाख की रंगदारी

सर्राफ व्यापारी के बेटे से मांगी थी रंगदारी पुलिस ने आरोपी प्रापर्टी डीलर को किया गिरफ्तार कर्ज से परेशान होकर उठाया था कदम

गोरखपुर में सराफा व्यापारी के बेटे से रंगदारी मांगने के आरोप में पुलिस ने एक प्रापटद्द डीलर संतोष चौधरी को गिरफ्तार किया है। आरोपी कर्ज में डूबा हुआ था और उसने गूगल से नंबर निकालकर व्यापारी के बेटे को रंगदारी का मैसेज भेजा था। पुलिस ने सूवलांस की मदद से उसे गिरफ्तार कर लिया।

संवाददाता, गोरखपुर । सराफा व्यापारी महेश वर्मा के बेटे सिद्धांत वर्मा से तीन लाख रुपये रंगदारी मांगने वाले युवक को राजघाट पुलिस ने रविवार को चौरीचौरा के सरैया से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपित प्रापर्टी डीलर है और भारी कर्ज में डूबा था। कर्ज के दबाव से बचने के लिए उसने व्यापारी परिवार को निशाना बनाया और गूगल से नंबर निकालकर तीन लाख रुपये रंगदारी देने के लिए मैसेज भेजा था। शनिवार की दोपहर 12:10 बजे सिद्धांत वर्मा के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से वाट्सएप मैसेज आया। उसमें लिखा था–दो बजे तक तीन लाख रुपये इस खाते में जमा कर दो, वरना पूरे परिवार को अंजाम भुगतना पड़ेगा।

प्राइवेट बैंक का खाता नंबर भी भेजा

संदेश के साथ एक प्राइवेट बैंक का खाता नंबर भी भेजा गया। जवाब में सिद्धांत ने लिखा कि वह साइबर थाने को सूचना देगा। इस पर आरोपित ने फिर धमकी दी कि पुलिस के पास जाओ या कहीं और, लेकिन दो बजे तक अगर रुपये नहीं मिले तो बचोगे नहीं। इस धमकी ने परिवार को सहमा दिया और उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

एसपी सिटी अभिनव त्यागी के नेतृत्व में राजघाट पुलिस ने सर्विलांस की मदद ली। मोबाइल लोकेशन ट्रैक कर पुलिस ने चौरीचौरा के सरैया गांव स्थित अतरहवा टोला निवासी संतोष चौधरी को रविवार को दबोच लिया।

पुलिस के सामने कुबूला जुर्म

पूछताछ में आरोपित ने जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि कर्ज से दबे होने के कारण उसने गलत रास्ता चुना और व्यापारी को निशाना बनाया।एसपी सिटी ने बताया कि सोमवार की सुबह आरोपित को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

तीन लोगों से मांगी थी रंगदारी :

पुलिस पूछताछ में संतोष ने बताया कि वह प्रापर्टी डीलिंग करता है। जमीन के एग्रीमेंट कराने के बाद बैनामा नहीं हो पाया। इसी दौरान उसने कई लोगों से एडवांस लेकर रुपये खर्च कर दिए। अब लोग बैनामा करने और रकम लौटाने के लिए दबाव बना रहे थे। पैसों की किल्लत से परेशान होकर उसने अपराध करने का मन बनाया। इसके लिए उसने मोबाइल पर गूगल से नियरेस्ट ज्वेलरी शाप सर्च किया और महेश वर्मा के बेटे सिद्धांत समेत तीन लोगों का नंबर निकालने के बाद वाट्सएप से धमकी भरे मैसेज भेजकर रंगदारी मांग डाली।दो लोगों ने ध्यान नहीं दिया,जबकि सिद्धांत ने पिता को मामले की जानकारी देने के साथ ही राजघाट पुलिस को तहरीर दी।

सो रही महिला पर घर में घुसकर किया हमला

गुलरिहा में महिला के घर में घुसकर मारपीट कपड़े फाड़ने और जानलेवा हमले का आरोप पिपराइच में युवती से अभद्रता, तोड़फोड़

संवाददाता, गोरखपुर । गुलरिहा इलाके में एक महिला के घर में घुसकर कुछ लोगों ने मारपीट की जिससे वह घायल हो गई। महिला ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने उसके कपड़े भी फाड़ दिए और उसके बेटे पर जानलेवा हमला किया। एक अन्य घटना में पिपराइच में एक युवती ने सिलाई के पैसे मांगने पर अभद्रता और मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है। गुलरिहा क्षेत्र के एक कस्बे में स्थित घर में घुसकर महिला से मारपीट की गई। इसमें महिला का सिर फट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। रविवार को महिला ने थाने में तहरीर दे दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कपड़े फाड़ने का आरोप

महिला ने पुलिस को बताया कि 30 अगस्त की रात में वह घर में सो रही थी। इसी दौरान कुछ युवक घर में घुस गए और उसके कपड़े फाड़ दिए। बेटे को पटक कर खींचते हुए उसकी जान लेने की नीयत से धारदार हथियार से हमला करने लगे। बेटे का बचाव करने गई तो एक युवक ने उसके सिर पर हमला कर दिया। भटहट चौकी प्रभारी विवेक कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच कर आगे की कार्यवाही की जा रही है ।

नवगठित विश्वविद्यालयों में 948 नए पदों के सृजन को मंजूरी, 480 आउटसोर्सिंग पद शामिल

लखनऊ,संवाददाता। यूपी सरकार ने प्रदेश के तीन नवगठित विश्वविद्यालयों में 468 अस्थायी शिक्षणेतर और 480 आउटसोर्सिंग पदों पर भर्ती के सृजन को मंजूरी दे दी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक और बड़ा कदम उठाया है।

प्रदेश के तीन नवगठित विश्वविद्यालयों गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय (मुरादाबाद), मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय (मिर्जापुर) और मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय (बलरामपुर) में कुल 948 नए पदों के सृजन को मंजूरी दी गई है। इसमें 468 अस्थायी शिक्षणेतर पद और 480 आउटसोर्सिंग पद शामिल हैं। इन पदों के सृजन से विश्वविद्यालयों की प्रशासनिक और कार्यात्मक व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी। साथ ही शैक्षिक गुणवत्ता में वृद्धि होगी और प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यूपी बढ़ रहा आगे

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि यह निर्णय विश्वविद्यालयों को मजबूत बनाने के साथ–साथ प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। विश्वविद्यालयों में नए पदों का सृजन इसी दिशा में एक ठोस कदम है, जो उच्च शिक्षा को सशक्त और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगा।

468 अस्थायी शिक्षणेतर पद

प्रत्येक विश्वविद्यालय में 156 अस्थायी शिक्षणेतर पद सृजित किए गए हैं, जो 28 फरवरी 2026 तक प्रभावी रहेंगे और आवश्यकतानुसार समाप्त भी किए जा सकते हैं।

इन पदों में फार्मासिस्ट, इलेक्ट्रिशियन, अवर अभियंता, आशुलिपिक, सहायक लेखाकार, कनिष्ठ सहायक, लैब टेक्नीशियन, लैब असिस्टेंट, उप कुलसचिव, सहायक कुलसचिव, वैयक्तिक सहायक, लेखाकार, प्रधान सहायक, चिकित्साधिकारी और स्टाफ नर्स जैसे पद शामिल हैं। इन पदों की भर्ती अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, सीधी भर्ती, पदोन्नति और प्रतिनियुक्ति की प्रक्रिया से की जाएगी।

480 आउटसोर्सिंग के भी पद

इसके अलावा हर विश्वविद्यालय में 160 पद वाह्य सेवा प्रदाता (आउटसोर्सिंग) के माध्यम से पूरे किए जाएंगे, जिससे कुल 480 पद बनते हैं। इनमें कम्प्यूटर ऑपरेटर, स्वच्छकार, चौकीदार, माली, चपरासी, वाहन चालक और पुस्तकालय परिचर जैसे पद शामिल हैं। आउटसोर्सिंग की प्रक्रिया जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पूरी की जाएगी।

साथ ही, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, श्रम विभाग और कार्मिक विभाग द्वारा जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। सभी नियुक्तियों में आरक्षण से जुड़े नियमों और प्रक्रियाओं का पालन अनिवार्य होगा।

— लखनऊ

यूपी भर में गणेश भगवान का हुआ विषर्जन

फर्जी कागजात तैयार कर ट्रैक्टर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

संवाद सूत्र, बहराइच/मिहींपुरवा। किसानों से धोखाधड़ी कर फर्जी कागजात तैयार कर ट्रैक्टर बेचने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का राजफाश करते हुए पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से सात ट्रैक्टर भी बरामद किया है। आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता के दौरान एएसपी ग्रामीण डीपी तिवारी व मिहींपुरवा सीओ हर्षिता तिवारी ने बताया कि मुर्तिहा कोतवाली के विभिन्न इलाकों के किसानों से गोंडा जिले के तुलसीपुर माझा निवासी दुर्गेश कुमार ने 29 जून को ट्रैक्टर भाड़े पर लिया था।

बावजूद इसके किसानों को न भाड़ा दिया गया और न ही ट्रैक्टर वापस मिला। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान प्रतापगढ़ जिला निवासी कुलदीप सिंह का नाम सामने आया।

पूछताछ में पता चला कि कुलदीप ने कई ट्रैक्टरों को भाड़े पर लेकर मैनपुरी जिला निवासी सुभाष कुमार के हाथ बेच दिया। आरसी बदलकर किसानों के ट्रैक्टर बेचे जाने की जानकारी होने पर पुलिस व स्वाट टीम को राजफाश के लिए लगाया गया। मुर्तिहा कोतवाल राम नरेश यादव व स्वाट टीम प्रभारी मनोज यादव की टीम ने शनिवार रात तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से सात ट्रैक्टर बरामद हुए।

सीओ ने बताया कि प्रतापगढ़ जिले के जेठवारा इलाके के बसावन निवासी कुलदीप सिंह, मैनपुरी के बेवर इलाके के जगतपुर खास निवासी सुभाष कुमार व मथुरा के छाता इलाके के भदावल निवासी रामजी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। कुलदीप का आपराधिक इतिहास रहा है। उनके खिलाफ प्रतापगढ़, प्रयागराज, गोंडा, मथुरा व बहराइच के थानों में मुकदमा दर्ज है।

फजह कागजात से ट्रैक्टर बेचने वाला गिरोह पकड़ा गया
सात ट्रैक्टर बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार
किसानों से धोखाधड़ी कर ट्रैक्टर बेचते थे आरोपी

गंगा दिखा रही रौद्र रूप

14 घंटे के अंदर नदी में समा गए 24 मकान

नौरंगा में एक सप्ताह से मची है तबाही, अब तक 106 लोगों के मकान गंगा में गिरे कटान रोकने के नहीं हो रहे उपाय, बेघर हुए लोगों के रहने का नहीं किया इंतजाम

संवाददाता, बैरिया (बलिया)। गंगा उस पार चक्की नौरंगा में लगातार आफत बरस रही है। गंगा कटान से पिछले एक सप्ताह से अफरा–तफरी मची है। गंगा की उतरती लहरें ज्यादा घातक हो गई हैं। गंगा की लहरें दहाड़ते हुए लोगों के मकानों को टक्कर मार रहीं हैं। मंगलवार से शाम से बुधवार दोपहर तक 24 लोगों के मकान नदी में गिर गए। बड़ी बात यह कि कटान में घर गिरने के बाद पीड़ितों को रहने के लिए तहसील प्रशासन की ओर से कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

पीड़ित कटान स्थल से कुछ दूरी पर शरण लिए हुए हैं। अधिकांश कटान पीड़ित अनुसूचित वर्ग हैं। बेघर होने के बाद वह प्रशासन की ओर मदद की उम्मीद लगाए हैं। गांव के लोगों ने बताया कि अब तक 106 लोगों के मकान गंगा में विलीन हो चुके हैं। मंगलवार और बुधवार को संजू देवी, माया देवी, मनोज राम, चंचल देवी, शिला देवी, सुभागो देवी, लालबछिया देवी, रीना देवी, कुंती देवी, ललसा देवी, राजकुमारी देवी, दयांति देवी, विशुन दयाल राम, सुशीला देवी, संजय राम, कृष्णा राम, मंजू देवी, अमित राम, गोविंद राम, कमलेश राम, चनकेशिया देवी, मानती देवी, शिवशंकर राम और पवन कुमार आदि के मकान नदी में गिरे।

उस समय अधिकांश पीड़ित किनारे पर ही थे। सभी लोग एक टक लाखों रुपये की लागत से बने मकान को नदी में समाहित होते देख रहे थे। पीड़ितों ने बताया कि सरकार ने राशन तो दिया है लेकिन बेघर होने के बाद कहां पर शरण लें, इसकी व्यवस्था नहीं की गई है। जिससे भारी परेशानी हो रही है। सभी ने उपजिलाधिकारी से आग्रह किया है कि तत्काल किसी सरकारी भवन में रहने की व्यवस्था कराएं ताकि वह अपने सामान के साथ उसमें शरण ले सकें। गांव के प्रधान सुरेंद्र ठाकुर ने बताया कि अगर इसी तरह कटान जारी रहा तो पूरे गांव का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। गंगा कटान अब बाजार की ओर से भी बढ़ने लगा है। वहां कई दुकानें हैं। सभी लोग भयभीत हैं, लेकिन बचाव के नाम पर कुछ भी नहीं हो रहा है।

मौत नहीं मर्डर हुआ था

सांड की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर हुआ खुलासा, मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

गोंडा के भिवपुर गांव में एक सांड की फेफड़ा फटने से मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई है जिसके बाद पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ग्राम प्रधान की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। पशुपालन विभाग राजस्व विभाग और भाजपा नेताओं ने गांव का दौरा कर जानकारी ली है। घटना से ग्रामीणों में आक्रोश है।

संवाददाता, गोंडा। देहात कोतवाली के भिवपुर में सांड के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फेफड़ा फटने से मौत की पुष्टि हुई है। पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पशुपालन विभाग, पुलिस व राजस्व विभाग की टीम के साथ ही भाजपा नेताओं ने गांव जाकर सांड के मौत के संबंध में जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों में घटना को लेकर आक्रोश है।

ग्राम प्रधान आशाराम तिवारी ने दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा कि मंगलवार की देर शाम को गांव के ही फन्ने व ईंदा ने सांड को भाला मार दिया जबकि, सांड उनके खेत में भी नहीं था। भाला लगने के बाद सांड गिरकर तड़पने लगा। बच्चों ने घर आकर जानकारी दी। गांव के लोगों के साथ वह भी मौके पर पहुंचे। इसी दौरान सांड की मौत हो गई। बुधवार को भाजपा मंडल अध्यक्ष रमाकांत शुक्ल ने प्रधान आसाराम तिवारी व ग्रामीणों से सांड की हत्या को लेकर जानकारी प्राप्त की। बुधवार को गांव में सन्नाटा पसरा रहा और चारों तरफ चर्चा का विषय बना रहा। आसपास गांव के तमाम लोग सांड को देखने के लिए भिवपुर गांव पहुंच रहे थे।

पशुपालन विभाग व राजस्व विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर सांड के मौत के बारे में ग्रामीणों से जानकारी ली। पशु चिकित्सा अधिकारी रुपईडीह डा बाबूराम निगम, गिलौली डा निशांत यादव, कटरा बाजार के डा शिवप्रसाद व भंभुआ के डा अनिल कुमार कटियार की संयुक्त टीम ने सांड का पोस्टमार्टम किया।

पशु चिकित्सक के अनुसार नुकीले औजार से सांड के सीने में मारा गया है, जिससे उसका फेफड़ा फट जाने के कारण मौत हो गई। मृतक सांड के शरीर पर खरोच के कई निशान पाए गए हैं। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात संजय कुमार सिंह ने बताया कि प्रकरण में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। गांव में शांति व्यवस्था कायम है।

छोटी बेटी को प्यार-दुलार किया...

नहाने के लिए गए और खुद को मार ली गोली

बिजनौर,संवाददाता। यूपी के बिजनौर में नायब तहसीलदार ने पिस्टल से गोली मारकर जान दे दी। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। नायब तहसीलदार राजकुमार मूल रूप से बागपत के गांव नांगल के रहने वाले थे। वह माता–पिता, पत्नी और बच्चों के संग बिजनौर में रह रहे थे। बिजनौर सदर तहसील के नायब तहसीलदार राजकुमार (40) ने अपने सरकारी आवास पर बुधवार सुबह लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली कनपटी से सटाकर मारी गई, जो कि आरपार हो गई थी। उन्होंने आत्महत्या क्यों की इसका कारण स्पष्ट नहीं हुआ। नायब तहसीलदार राजकुमार पुत्र कुंवरपाल बुधवार सुबह करीब आठ बजे प्रयागराज से बिजनौर की ऑफिसर कॉलोनी में स्थित अपने सरकारी आवास पर पहुंचे। करीब दस बजे अपने पिता कुंवरपाल से नहाने की बात कहते हुए कमरे में चले गए। कुछ ही देर में अंदर से गोली चलने की आवाज आई।

परिवार वालों ने दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला। आसपास के लोगों और अन्य राजस्व कर्मियों ने दरवाजा तोड़ा। अंदर बिस्तर पर राजकुमार खून से लथपथ पड़े मिले। पास में ही लाइसेंसी पिस्टल पड़ी थी। पुलिस और अधिकारी भी वहां पहुंच गए। राजकुमार को बीना प्रकाश अस्पताल में ले जाया गया। खबर मिलते ही डीएम जसजीत कौर, एसपी अभिषेक झा और तमाम सरकारी अमला अस्पताल में पहुंच गया। वहां काफी देर तक इलाज चला और करीब डेढ़ बजे चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। राजकुमार मूल रूप से बागपत के गांव नांगल के रहने वाले थे। वह माता–पिता, पत्नी और बच्चों के संग बिजनौर में रह रहे थे। उधर, पुलिस आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं होने की बात कह रही है। वहीं परिजनों का कहना है कि उन्हें यह पता ही नहीं कि राजकुमार ने ऐसा कदम क्यों उठा लिया।

छोटी बेटी शावी को प्यार–दुलार किया

नायब तहसीलदार राजकुमार सरकारी काम से हाईकोर्ट प्रयागराज गए थे। बुधवार की सुबह करीब 8 बजे लौटे। घर पर छोटी बेटी शावी को प्यार–दुलार किया। इसके बाद खुद को कमरे में बंद कर लिया। नहाने और तैयार होकर ड्यूटी पर जाने की बात कहते हुए राजकुमार कमरे में दाखिल हुए थे, करीब 20 मिनट तक कमरे का दरवाजा अंदर से बंद रहा। बाद में दरवाजा तोड़ा गया तो बेड पर खून से लथपथ मिले। बेटे की हालत देख पिता कुंवरपाल बिलख पड़े, उनके मुंह से निकला, सब लुट गया अंधेरा हो गया दुनिया में। पिता कुंवरपाल, अधिकारियों से रोते हुए यह गुहार लगाते रहे कि उनके बेटे को किसी तरह से बचा लो..। उधर, राजकुमार की पत्नी आंचल घटना के बाद से बेसुध हो गई। दोपहर बाद तक बेसुध हालत में पड़ी रही।

सिर में आर–पार हो चुकी थी गोली, नहीं बच सकी जान

पिस्टल से चली गोली सिर में आर–पार हो चुकी थी। हालत बेहद नाजुक रही, ऐसे में चिकित्सकों ने तमाम प्रयास किए लेकिन नायब तहसीलदार राजकुमार की जान को बचाया नहीं जा सका। दरअसल जिस पिस्टल से खुद को गोली मारी, उसका लाइसेंस भी एक साल पहले ही लिया था। उस वक्त सर्वे में आ रही दिक्कतों को देखते हुए लाइसेंस जारी किया गया था। बुधवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे दरवाजा तोड़कर उन्हें बाहर निकाला गया। फिर राजस्व कर्मी एंबुलेंस का इंतजार किए बिना ही तहसीलदार की गाड़ी में डालकर अस्पताल ले आए। एसडीएम रितू रानी और तमाम राजस्व कर्मियों का अस्पताल में जमावड़ा लग गया।

डीएम जसजीत कौर, एसपी अभिषेक झा, एएसपी सिटी संजीव वाजपेयी भी पहुंचे। सरकारी अमले ने डॉक्टरों से हरसंभव प्रयास करते हुए राजकुमार को बचा लेने की गुजारिश की। मगर नियति को कुछ और मंजूर था, चिकित्सकों के काफी प्रयास के बाद भी जान नहीं बच सकी।

एक नवंबर से बिजली उपभोक्ताओं के लिए लागू होगी नई व्यवस्था

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक नवंबर से वर्टिकल सिस्टम लागू होगा। इससे उपभोक्ताओं को सुविधा बढ़ेगी और उन्हें भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। कानपुर की तर्ज पर राजधानी में 14.50 लाख बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक नवंबर से नई व्यवस्था लागू होने जा रही है। वर्टिकल सिस्टम नामक नई व्यवस्था में हर एक काम के लिए एक अधिकारी जिम्मेदार होगा। उपभोक्ता को बिजली कनेक्शन और बिल देने वाले जिम्मेदार अफसर अब अलग–अलग होंगे। वर्तमान में कनेक्शन व बिल देने की दोहरी जिम्मेदारी अधिशासी अभियंता (वितरण) ही निभा रहे हैं।

निगम के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने मंगलवार की शाम राजधानी के चारों मुख्य अभियंताओं के साथ नई व्यवस्था के संबंध में विस्तार से चर्चा की। प्रबंध निदेशक पंकज कुमार की उपस्थित में हुई बैठक में व्यवस्था में बदलाव से जुड़े पूर्व के प्रस्ताव में उन्होंने कुछ बदलाव करने के लिए भी कहा।

ऐसे समझें नई व्यवस्था : नई व्यवस्था में अधिशासी अभियंता की जगह अधीक्षण अभियंता जिम्मेदार बनेंगे। इन अधीक्षण अभियंताओं की टीम में अधिशासी, सहायक, अवर अभियंता भी होंगे। हालांकि, उपभोक्ताओं की समस्याओं के लिए जवाबदेही अधीक्षण अभियंताओं की होगी, जिनके मुखिया मुख्य अभियंता होंगे।

लखनऊ मध्य जोन लेसा के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल का कहना है कि बिजली उपभोक्ताओं के लिए वर्टिकल सिस्टम में एक काम का एक अफसर जिम्मेदार होगा। इससे उपभोक्ताओं को सहूलियत होगी।

प्रत्येक जोन में अधिकारी और उनकी जिम्मेदारी

अधीक्षण अभियंता (वाणिज्य) – नया कनेक्शन देना, मीटर लगाना, बिल सही करना, बिल वसूली, स्मार्ट मीटर लगाने व 1912 की शिकायतों के निराकरण।

अधीक्षण अभियंता (तकनीकी) – बिजली की निर्बाध आपूर्ति, शहर में 33 केवी, 11 केवी लाइनों में आए फॉल्ट, जले ट्रांसफार्मर बदलने, उपकेंद्रों पर दर्ज होने वाली शिकायतों का निदान।

अधीक्षण अभियंता (परीक्षण) – उपकेंद्र से मोहल्लों और गांवों बने उपकेंद्र एवं लगे ट्रांसफार्मरों की टेस्टिंग।

अधीक्षण अभियंता (प्रोजेक्ट) – नए बिजली उपकेंद्र और लाइन बनाने की जिम्मेदारी।

नई व्यवस्था से उपभोक्ताओं को होंगे ये फायदे

– आम उपभोक्ता को किसी काम के लिए जेई, एसडीओ के चक्कर नहीं काटने होंगे।

– बिजली कनेक्शन ज्यादा आसानी से मिलेगा, बिल से जुड़ी शिकायत के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

– उपभोक्ता सेवा के सभी कार्य जैसे मीटर बदलने, जांचने के काम तय समय–सीमा में होंगे।

– एकीकृत व्यवस्था में 1912 पर दर्ज होने वाली शिकायत का शत–प्रतिशत निस्तारण संभव होगा।

– उपभोक्ता का काम न होने पर जिम्मेदार पर कार्रवाई होगी।

समाज में नकारात्मक एजेंडा चलाती है कांग्रेस

आजमगढ़ में भाजपा नेता भूपेंद्र चौधरी ने कही ये बात

आजमगढ़,संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता पर की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने नाराजगी जताई। उनका कहना है कि या बहुत ही दुखद है लोकतंत्र में जनता का निर्णय अंतिम निर्णय होता है। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय के पिता आद्या प्रसाद राय की चौथी पुण्यतिथि पर जनपद में पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने श्रद्धांजलि दी। जिले के बड़ा गणेश मंदिर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि जीवन में मां–बाप की छाया बच्चों में दिखती है। कांग्रेस कार्यकर्ता द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता पर की गई अभद्र टिप्पणी के सवाल पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का कहना है कि या बहुत ही दुखद है लोकतंत्र में जनता का निर्णय अंतिम निर्णय होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार भाजपा का ग्राफ बढ़ रहा है। और विपक्ष लगातार पराजित हो रहा है। जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के खिलाफ बयान बाजी कांग्रेस पार्टी के लोग कर रहे हैं। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। विपक्ष के लोग अपनी पराजय को सुनिश्चित मानकर इस तरह की बयान बाजी कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि समाज में नकारात्मक एजेंडा कांग्रेस पार्टी चलाती है। कांग्रेस पार्टी के ही लोग इसे और आगे बढ़ा रहे हैं। जिस तरह से विपक्ष के लोग संवैधानिक संस्थाओं का अपमान कर रहे हैं वह निश्चित रूप से जनादेश का अपमान है। विपक्ष के लोग संवैधानिक संस्थाओं इलेक्शन कमीशन के बारे में जिस तरह से अनावश्यक और अनर्गल बयान बाजी कर रहे हैं। यह केजरीवाल पैटर्न है। ऐसे लोगों को यूपी और देश की जनता माफ नहीं करेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है और विपक्ष के लोग अपनी पराजय सुनिश्चित मानकर नकारात्मक प्रचार कर रहे हैं। बिहार के चुनाव पर कहा कि भाजपा अपनी सरकारों का लेखा–जोखा लेकर बिहार जाएगी और आने वाले समय में भी एनडीए की ही सरकार बनेगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यमुना का रौद्र रूप

ब्रह्मलाल महाराज की देहरी तक पहुंची कालिंदी

आगरा,संवाददाता। बाह क्षेत्र स्थित बटेश्वर में यमुना (कालिंदी) का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। ब्रह्मलाल महाराज मंदिर की देहरी तक उफनता पानी पहुंच गया। पुजारी और श्रद्धालुओं ने यमुना की आरती उतारकर नदी के शांत होने की प्रार्थना की।

बटेश्वर के ब्रह्मलाल जी मंदिर की देहरी तक उफनाई कालिंदी का पानी पहुंच गया है। देहरी को पार करते ही भोलेनाथ के पांव पखारने के बाद कालिंदी का पानी गांव की ओर निकलने लगेगा। बुधवार को पुजारी जय प्रकाश गोस्वामी ने मंदिर की देहरी पर यमुना की आरती की। आरती में कालिंदी के प्रति श्रद्धा और भोलेनाथ के प्रति आस्था के साथ सभी ने कालिंदी के शांत होने की प्रार्थना की।

मंदिर के पुजारी जय प्रकाश गोस्वामी ने बताया कि बुधवार को ब्रह्म मुहूर्त में यमुना और ब्रह्मलाल महाराज की पूजा और आरती में नदी के शांत होने की प्रार्थना की। भोलेनाथ के पांव पखारने के बाद नदी के शांत होने की उम्मीद भी जताई। कालिंदी के उफान के पानी में एकादशी मंदिर चारो ओर से घिरा हुआ है। बिहारी जी मंदिर, जागेश्वर मंदिर के प्लेटफार्म को छूकर कालिंदी बह रही है। सेल्फी प्वाइंट परिसर में घुटनों तक पानी भर गया है। मंदिर श्रंखला के पूर्वी छोर पर महज एक सीढ़ी डूबने से बची है। 24 घंटे में कालिंदी एक सीढ़ी चढ़ी है। जबकि पश्चिमी छोर पर कई मंदिरों की देहरी तक कालिंदी का पानी पहुंच गया है।उफान की रफ्तार जारी रही तो मंदिर श्रंखला को पार कर पानी बटेश्वर गांव की ओर निकलना शुरू हो जाएगा।

ग्रामीणों राम सिंह आजाद, नरेन्द्र चंद्रवंशी, राजकुमार गोस्वामी ने बताया कि 3 साल पहले ब्रह्मलाल महाराज मंदिर में उफान का पानी घुस गया था। मंदिर के प्रवेश द्वार और सड़क पर उफान के पानी में श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई थी। कालिंदी के रौद्र रूप से बाढ़ के खतरे को लेकर बटेश्वर के लोग सहमे हुए हैं।

पुलिस मुठभेड़ में गौ– तस्कर को लगी गोली

अवैध तमंचा व बाइक के साथ गिरफ्तार

गाजीपुर,संवाददाता । जिले की पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गोली लगने के बाद एक बदमाश को गिरफ्तार किया। गाजीपुर जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत स्वाट टीम और गहमर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली। पुलिस मुठभेड़ में शातिर गौ तस्कर पीर मोहम्मद उर्फ डेंजर निवासी सहेडी, थाना नंदगंज गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की गोली से वह घायल हुआ है। पकड़े गए बदमाश के कब्जे से एक अवैध तमंचा, कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद

हुई है। वहीं, पिकअप पर सवार तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया।

क्या है पूरा मामला

क्षेत्राधिकारी जमानियां अनिल कुमार के अनुसार, बुधवार रात स्वाट प्रभारी रोहित कुमार मिश्रा नवली के पास गश्त कर रहे थे। इसी दौरान रजागंज की ओर से तेज रफ्तार पिकअप और एक मोटरसाइकिल आती दिखी। रोकने का प्रयास करने पर बाइक सवार ने तमंचे से पुलिस टीम पर फायर करते हुए भागने की कोशिश की।

सूचना पर गहमर थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेश कुमार मिश्रा व बारा चौकी प्रभारी टीम के साथ पीछा करने लगे। उन्होंने बताया कि मगरखाई मोड़ के पास पुलिस घेराबंदी करने लगी तो आरोपी ने फिर पुलिस पर फायर झोंक दिया। आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लग गई। घायल आरोपी को तत्काल उपचार के लिए सीएचसी भदौरा भेजा गया।

पुलिस के अनुसार, फरार पिकअप वाहन की तलाश की जा रही है। घायल आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। सीओ ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के पास से एक तमंचा, एक कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। बताया कि अभियुक्त पर थाना करंडा व गहमर में गोवध निवारण अधिनियम और आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत है।

5 फीसदी और 12 फीसदी जीएसटी लागू

बिजनेस डेस्क। जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक के बाद बीते दिन यानी जीएसटी से जुड़े कई बड़े बदलाव सामने आए। केंद्र सरकार ने दरों में बदलाव के साथ–साथ आम जनता और उद्योग जगत से जुड़े तमाम सवालों के जवाब दिए। कुछ अपवादों को छोड़कर नई दरें 22 सितंबर 2025 से लागू होंगी। जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में वित्त मंत्रालय ने गहन मंथन के बाद आईपीएल जैसे खेल आयोजनों के टिकट, तंबाकू–सिगरेट जैसे उत्पाद और बीमा पर कर की दरों में बदलाव जैसे अहम फैसले लिए। नई दरें नवरात्रि के मौके पर यानी 22 सितंबर 2025 से प्रभावी होंगी। आइए ग्राफिक्स के जरिए जानते हैं कौन–कौन से बदलाव हुए, किसे फायदा होगा, कौन नुकसान झेलेगा, किन–किन चीजों पर 40 फीसदी टैक्स लगेगा, क्या सस्ता होगा और क्या महंगा होगा...।

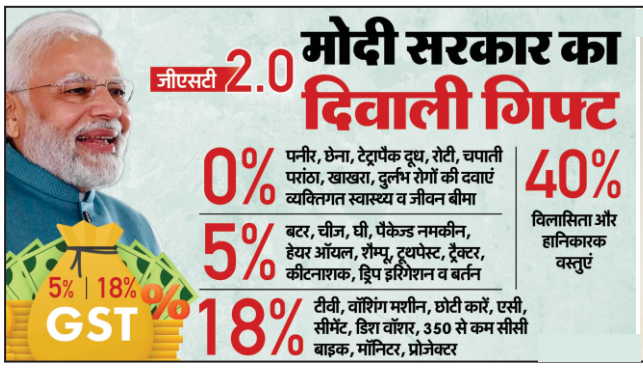

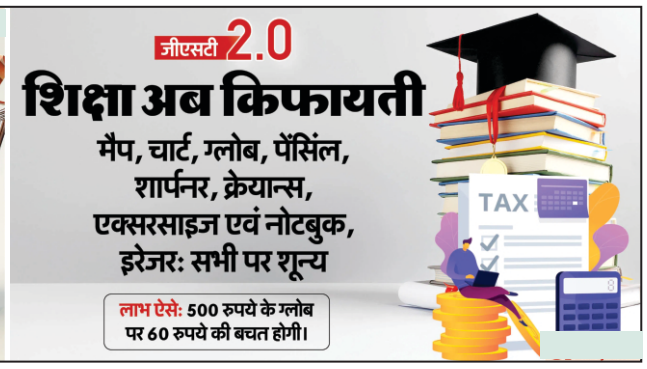

दैनिक जरूरी सामान पर बड़ी बचत

वस्तुएं	पहले	अब
हेयर ऑयल, शैम्पू, टूथपेस्ट, साबुन, टूथ ब्रश, शेविंग क्रीम	18%	5%
मक्खन, घी, चीज एवं डेयरी उत्पाद	12%	5%
पैक्ड नमकीन, भुजिया व मिक्सचर	12%	5%
बर्तन	12%	5%
बच्चों की फीडिंग बोतलें, नैपकिन और डायपर	12%	5%
सिलाई मशीन व पुर्जे	12%	5%

सस्ते हुए ऑटोमोबाइल

वस्तुएं	पहले	अब
पेट्रोल/डीजल हाइब्रिड कार (1200CC & 4000mm तक)	28%	18%
डीज़ल/डीजल हाइब्रिड कार (1500CC & 4000mm तक)	28%	18%
तीन पहिया वाहन	28%	18%
मोटरसाइकिल (350CC तक)	28%	18%
माल ढोने वाले वाहन	28%	18%

किसानों व कृषि के लिए सहारा

वस्तुएं	पहले	अब
ट्रैक्टर टायर व पुर्ज़े	18%	5%
ट्रैक्टर	12%	5%
जैव कीटनाशक, सूक्ष्म पोषक तत्व	12%	5%
ड्रिप सिंचाई व स्प्रिंकलर	12%	5%
कृषि/बागवानी/वन संबंधी मशीनें (जुताई, बुवाई, कटाई आदि हेतु)	12%	5%

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ी राहत

वस्तुएं	पहले	अब
व्यक्तिगत स्वास्थ्य व जीवन बीमा	18%	0%
थर्मामीटर	12%	5%
चिकित्सीय ऑक्सीजन	12%	5%
सभी डायग्नॉस्टिक किट	12%	5%
ग्लूकोमीटर व टेस्ट स्ट्रिप्स	12%	5%
चश्मा (स्पेक्टेकल्स)	12%	5%

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर बचत

वस्तुएं	पहले	अब
एयर कंडीशनर	28%	18%
टेलीविज़न (32 इंच से बड़े, LED/LCD सहित)	28%	18%
मॉनिटर व प्रोजेक्टर	28%	18%
डिश वॉशिंग मशीन	28%	18%

किफायती होगी शिक्षा

वस्तुएं	पहले	अब
मानचित्र, चार्ट व ग्लोब	12%	0%
पेंसिल, शार्पनर, क्रेयॉन्स व पेस्टल	12%	0%
कॉपी व नोटबुक	12%	0%
रबर	5%	0%

पांच और 12 फीसदी जीएसटी के फैसले से उपजे 10 सवालों के जवाब, जिनका आम आदमी पर सीधा असर

मुंबई,एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उत्पाद एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों को लेकर बड़ा एलान किया। इसके मुताबिक, अब जीएसटी में सिर्फ तीन स्लैब छोड़े गए हैं। जहां 12 फीसदी और 28 फीसदी वाले कर ढांचों को खत्म कर दिया गया है, वहीं 5, 18 के पिछले स्लैब्स को बरकरार रखा गया है। वहीं, 40 फीसदी का एक नया टैक्स ढांचा बनाया गया है। जीएसटी काउंसिल ने अप्रत्यक्ष करों की दरों में ऐतिहासिक सुधार करते हुए चार की जगह अब सिर्फ दो जीएसटी स्लैब को मंजूरी दे दी। काउंसिल में सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों ने आम सहमति से जीएसटी की सिर्फ दो दरों, 5 और 18 फीसदी को मंजूरी दी। पनीर, छेना, टेट्रापैक दूध, रोटी, चपाती परांठा, खाकरा जैसी आम लोगों से जुड़ी खाद्य वस्तुओं, दुर्लभ बीमारियों और कैंसर की दवाओं पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा पॉलिसियों को भी करों से छूट दे दी गई है। इसकी लंबे अरसे से मांग उठ रही थी। वहीं, फास्ट फूड, धनाढ्य वर्ग के उपभोग में आने वाली लग्जरी कारें समेत शराब, तंबाकू जैसी चुनिंदा विलासिता की एवं जीवन के लिए हानिकारक वस्तुओं के लिए 40 फीसदी का विशेष कर स्लैब बनाया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि नई दरें 22 सितंबर से लागू होंगी। इस फैसले से 175 से अधिक वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। वर्तमान में जीएसटी की चार दरें 5, 12, 18 और 28 फीसदी लागू हैं। काउंसिल की बुधवार को हुई करीब साढ़े दस घंटे की बैठक के बाद सीतारमण ने बताया कि ये सुधार आम आदमी को ध्यान में रखकर किए गए हैं। आम आदमी के दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर लगने वाले हर कर की कड़ी समीक्षा की और ज्यादातर मामलों में दरों में भारी कमी हुई है। किसानों और कृषि क्षेत्र के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र को भी इससे लाभ होगा। दरों का यह सरलीकरण अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार पहल का हिस्सा है।

सीजीएसटी एक्ट–2017 के तहत उत्पादों के थ्रेसहोल्ड के लिए पंजीकरण की जरूरत होगी?

नहीं, इसमें कोई बदलाव नहीं है।

जीएसटी दरों में बदलाव से पहले की खरीदारी पर आईटीसी का क्या होगा? क्या कम दर पर आईटीसी मिलेगा?

सीजीएसटी एक्ट पंजीकृत व्यक्ति को अपनी आपूर्ति पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का अधिकार देता है। इसका इस्तेमाल वह व्यवसाय के दौरान या आगे बढ़ाने के लिए करता है या करने का इरादा रखता है।

वस्तुओं के आयात पर आईजीएसटी दर का क्या प्रभाव पड़ेगा?

आयातित वस्तुओं पर आईजीएसटी अधिसूचित दरों के अनुसार लगेगा। अलग से छूट के मामलों पर लागू नहीं होगा।

40 फीसदी विशेष दर क्यों?

यह सिर्फ चुनिंदा वस्तुओं पर लागू है। इनमें अवगुण वाले सामान और विलासिता वस्तुएं शामिल हैं। इन पर जीएसटी के अलावा क्षतिपूर्ति उपकर भी लगता था, जिसे अब जीएसटी में मिला दिया गया है।

कपड़ा क्षेत्र के लिए रासायनिक रंगों, प्लास्टिक, रबरयुक्त धागा पर कर दर कम क्यों नहीं की?

कर युक्तिकरण की प्रक्रिया में मानव निर्मित मूल्य शृंखला में उलटफेर को ठीक करना है। यह फाइबर तटस्थ नीति के अनुरूप है। हालांकि, इनकी बहुउपयोगिता है। इन वस्तुओं पर टैक्स कम करने के लिए अंतिम उपयोग–आधारित व्यवस्था की जरूरत होगी, जो मौजूदा नियमों के खिलाफ है।

1500 सीसी से अधिक या 4000 मिमी से अधिक लंबाई के वाहनों पर नई दर क्या है? यूटिलिटी वाहनों पर कर दर क्या है?

सभी मिड–साइज और बड़ी कारों (1,500 सीसी से ज्यादा या 4,000 मिमी से अधिक लंबाई) पर 40 फीसदी टैक्स लगेगा। यूटिलिटी श्रेणी के वाहन, चाहे उन्हें किसी भी नाम से पुकारा जाए, जैसे स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी), मल्टी यूटिलिटी वाहन (एमयूवी), मल्टी–पर्पज वाहन या क्रॉस–ओवर यूटिलिटी वाहन (एक्सयूवी), जिनकी इंजन क्षमता 1,500 सीसी से अधिक, लंबाई 4,000 मिमी से अधिक और ग्राउंड क्लीयरेंस 170 मिमी या अधिक हो, बिना किसी उपकर के 40 टैक्स लगेगा।

अन्य गैर–एल्कोहॉलिक पेय पर 40 फीसदी कर क्यों?

दरों को युक्तिसंगत बनाने की प्रक्रिया का मूल सिद्धांत समान वस्तुओं के लिए समान दर रखना है, ताकि गलत वर्गीकरण व विवादों से बचा जा सके।

भारतीय ब्रेड की कुछ खास किस्मों पर ही संशोधन क्यों?

ब्रेड पर पहले से ही जीएसटी नहीं लगता है। वहीं, पिज्जा ब्रेड, रोटी व परांठा पर अलग–अलग दरें थीं। सभी भारतीय ब्रेड, चाहे किसी भी नाम से पुकारे जाएं, अब जीएसटी से छूट दी गई है।

जीवन बीमा पर टैक्स छूट के दायरे में कौन–सी पॉलिसियां आती हैं?

सभी व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसियों पर छूट है, जिनमें टर्म, यूलिप, एंडोमेंट प्लान व पुनर्बीमा सेवाएं शामिल हैं।

और स्वास्थ्य बीमा में?

सभी व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियां। इनमें फैमिली फ्लोटर प्लान, वरिष्ठ नागरिकों की पॉलिसी व उनकी पुनर्बीमा सेवाएं शामिल हैं।

पनीर व अन्य चीजें अलग क्यों?

प्री–पैकेज्ड व लेबलयुक्त छोड़कर अन्य पनीर पर पहले से शून्य टैक्स है। यह बदलाव सिर्फ प्री–पैकेज्ड व लेबल वाले पनीर के लिए है। बदलाव का मकसद भारतीय पनीर को बढ़ावा देना है।

'मुझसे पंगा मत लो, अब चुप नहीं बैठूंगी'

सच में अर्चना गौतम के साथ हुआ धोखा या कोई नया शो

एंटरटेनमेंट डेस्क। अर्चना गौतम ने हाल ही में अपने एक पोस्ट से सभी को हैरान कर दिया है। अर्चना ने बताया है कि उनके साथ धोखा हुआ है और अब वो चुप नहीं बैठेंगी। अभिनेत्री अर्चना गौतम एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अपनी बेबाक छवि और निडर बयानों के लिए जानी जाने वाली अर्चना ने हाल ही में इंस्टाग्राम ऐसा संदेश साझा किया, जिसने उनके प्रशंसकों और चाहने वालों को सोचने पर मजबूर कर दिया। अर्चना के क्रिप्टिक पोस्ट के बाद अब उनके फैंस चिंतित हो गए हैं। आखिर क्या है मामला, चलिए आपको बताते हैं।

अर्चना बोलीं– धोखा हुआ है मेरे साथ

दरअसल मंगलवार को अर्चना ने पोस्ट करते हुए लिखा– 'धोखा हुआ है मेरे साथ। मेरे से पंगा मत लो।

मैं अभी अपने पे उतरी नहीं हूं। हर तरफ बस ईर्ष्या और धोखा। कब तक चुप रहेंगे। कल सब कुछ बताऊंगी।' इस पोस्ट के बाद अब अभिनेत्री के फैंस के बीच खलबली मच गई है। सब जानने को बेताब है कि आखिर अर्चना के साथ ऐसा क्या हुआ है।

हालांकि अर्चना का ये पोस्ट वाकई में उनके दुख की तरफ इशारा करता है या फिर किसी प्रोजेक्ट को वो प्रमोट करना चाहती हैं। इस बात का खुलासा अभी नहीं हुआ है। अर्चना ने हाल ही में अपना जन्मदिन मनाया और उसकी तस्वीरें भी वो लगातार अपने सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। ऐसे में अर्चना का ये पोस्ट किसी प्रोजेक्ट के लिए ही होने के ज्यादा चांस हैं।

अर्चना के पोस्ट पर रिएक्शन्स

बता दें अर्चना के पोस्ट को पढ़ने के बाद जहां ज्यादातर लोग उनकी हिम्मत और मुश्किलों की बात कर रहे हैं, वहीं कुछ यूजर्स ऐसे भी रहे जो सोच रहे हैं कि अर्चना ड्रामा कर रही हैं। उनकी दोस्त और एक्ट्रेस नायरा बनर्जी ने तो उनके पोस्ट पर यहां तक लिख दिया कि ये कौन सा शो है।

अर्चना गौतम का करियर

अर्चना गौतम की जिंदगी हमेशा से चर्चा में रही है। उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखने वाली अर्चना ने अपनी पहचान बनाने के लिए बेहद कठिनाइयों का सामना किया।

उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में बताया था कि जब उन्होंने अभिनय की राह चुनी, तो उनके पिता इस फैसले के खिलाफ थे। लेकिन उनकी मां ने गुपचुप तरीके से अपनी जमा–पूंजी बेचकर उन्हें मुंबई भेजा। यही 33,000 रुपये उनके करियर की नींव बने।

मुंबई आकर अर्चना ने छोटे–मोटे कामों से शुरुआत की और उन्हें पहला मौका टीवी सीरियल 'बुद्ध' में मिला। लेकिन असली पहचान उन्हें बिग बॉस 16 से मिली, जहां उनकी स्पष्टवादी और निडर छवि ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया।

यही शो उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ।

रियलिटी शो और माडलिंग की दुनिया

अर्चना ने मॉडलिंग में भी सफलता हासिल की और 2018 में मिस बिकिनी इंडिया का खिताब अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने रियलिटी शोज की ओर रुख किया। बिग बॉस 16 में लोकप्रियता मिलने के बाद उन्हें खतरों के खिलाड़ी 13 का हिस्सा बनने का मौका मिला, जहां उन्होंने अपनी जिजीविषा और हिम्मत से दर्शकों का दिल जीता। हाल ही में वह सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में नजर आईं। इस शो में उन्होंने अपने कुकिंग टैलेंट से सबको चौंकाया। उनके साथ इस शो में तेजस्वी प्रकाश, निक्की तंबोली, फैयजू, दीपिका कक्कड़ और अभिजीत सावंत जैसे सितारे भी शामिल थे।

ज्योति के आरोपों पर पवन सिंह के वकील ने दी प्रतिक्रिया

एंटरटेनमेंट डेस्क। भोजपुरी विवादों के घेरे में हैं। एक तरफ उनका है, जिसमें वे एक्ट्रेस अंजलि राघव को हैं। दूसरी तरफ पत्नी ज्योति ने उन पर लेकर पवन सिंह के वकील ने अभिनेता पवन सिंह की सोशल मीडिया लेकर खूब किरकिरी हो रही है। इसमें कमर पर गलत तरीके से छूते दिख रहे के बाद पवन सिंह इस पर माफी मांग निजी जिंदगी को लेकर भी पवन सिंह उनकी पत्नी अंजलि ने एक सोशल एक्टर पर आरोप लगाए और कहा कि कर रही हैं, लेकिन पवन सिंह न बात कर रहे हैं, न कॉल और मैसेज का जवाब देते हैं।

अभिनेता पवन सिंह इन दिनों एक वीडियो वायरल हो रहा अभद्र तरीके से टच कर रहे कई आरोप लगाए हैं। इसे प्रतिक्रिया दी है। भोजपुरी पर वायरल एक वीडियो को वे एक्ट्रेस अंजलि राघव की हैं। विवादों और आलोचनाओं चुके हैं। दूसरी तरफ अपनी सुर्खियों में हैं। बीते दिनों मीडिया पोस्ट शेयर कर वे उनसे मिलने का प्रयास

ज्योति सिंह ने क्यों किया पोस्ट?

ज्योति सिंह ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक लंबा नोट शेयर किया। इसमें उन्होंने यहां तक लिखा कि हालातों से तंग आकर उनके मन में आत्मदाह का ख्याल भी आता है। ज्योति सिंह को आखिर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करने की जरूरत क्यों पड़ी? उन्होंने इसे लेकर भी खुलासा किया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक यह पूछे जाने पर कि उन्होंने सोशल मीडिया पर यह पोस्ट क्यों किया? ज्योति ने कहा कि वे काफी समय से पवन सिंह से संपर्क करने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन ऐसा करने में असफल रहीं। उनके पास कम्युनिकेशन का कोई और तरीका भी नहीं था।

एंट्री

रिद्धिमा पंडित की

मुंबई,एजेंसी। सोनी सब के शो 'उफ्फ़ज् ये लव है मुश्किल' में अभिनेत्री रिद्धिमा पंडित की एंट्री हो गयी है। सोनी सब का शो 'उफ्फ़ज् ये लव है मुश्किल' लगातार दर्शकों के लिए रोमांचक मोड़ लेकर आ रहा है। शो की कहानी में अब अभिनेत्री रिद्धिमा पंडित शामिल हो रही हैं। वह लता का किरदार निभा रही हैं। एक ऐसी महिला जिसके अतीत में छुपे राज़, उसके आकर्षण और रहस्य उसे दोस्त और दुश्मन के बीच की सीमा को धुंधला बना देते हैं। अपने नए किरदार के बारे में बात करते हुए रिद्धिमा पंडित ने कहा कि लता का किरदार मुझे उसकी जटिलता के कारण बहुत आकर्षक लगा। वह खूबसूरत और ग्लैमरस है, लेकिन उसकी पहचान सिर्फ यही नहीं है। वह समझदार, रणनीतिक और धाराप्रवाह बोलने वाली है, जो परिस्थितियों को अपने हिसाब से मोडना़ जानती है। उसके स्वभाव में अनिश्चितता है।कभी वह बेबाक है, तो कभी अपनी मासूम–सी मोहकता से चौंका देती है। यही उसे ऐसा किरदार बनाता है जिसे आसानी से परिभाषित नहीं किया जा सकता। एक अभिनेत्री के तौर पर, इस तरह के रोल को निभाना बेहद रोमांचक है, जहां नज़ाकत और खतरे की महीन रेखा पर चलना पड़ता है। लता निश्चित रूप से युग और कैरी की जिंदगी में हलचल मचाने वाली है और मैं इंतज़ार कर रही हूं कि दर्शक उसकी कहानी को कैसे स्वीकार करेंगे। 'उफ्फ़ ये लव है मुश्किल' सोमवार से शनिवार, रात 8 बजे, सिर्फ सोनी सब पर प्रसारित होता है।

साउथ और बालीवुड में नहीं है कोई फर्क

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने अपनी जर्नी में कास्टिंग काउच या उत्पीड़न का सामना किया है, अमायरा ने आईएएनएस को बताया, "सच कहूं तो, मैंने दक्षिण या बॉलीवुड में कास्टिंग काउच का सामना नहीं किया है. लेकिन हां, मैंने दोनों इंडस्ट्री में अपने हिस्से के उत्पीड़न का सामना किया है. मेरे पास उनका नाम लेने की हिम्मत नहीं है क्योंकि वे शक्तिशाली लोग हैं – पुरुष और महिलाएं जिन्होंने सुनिश्चित किया कि मैं असहाय महसूस करूं." उन्होंने कहा, जब तक मैं सुरक्षित महसूस नहीं करती, मैं उंगलियां नहीं उठाऊंगी. वे जानते हैं कि वे वास्तव में कौन हैं और उन्होंने क्या किया है. मैं अभी के लिए जो कहूंगी वह यह है कि वे बेहतर तरीके से अपने भेदभाव के तरीकों को रोकें क्योंकि निश्चित रूप से एक लहर है. परिवर्तन आ रहा है और उनकी स्थिति उन्हें बचा नहीं पाएगा."

मुम्बई,एजेंसी। इसे लेकर अमायरा ने कुछ वक्त पहले आइएएनएस को बताया कि किस तरह इस मामले में दोनों ही इंडस्ट्री एक दूजे से ज्यादा अलग नहीं हैं. उन्होंने बताया कि वो बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री दोनों में पुरुषों और महिलाओं के हाथों यौन उत्पीड़न का शिकार रही हैं. हालांकि, वह कहती हैं कि उनमें उनका नाम लेने की हिम्मत नहीं है क्योंकि वे पावरफुल लोग हैं लेकिन वह एक दिन जरूर बताएंगी ।"

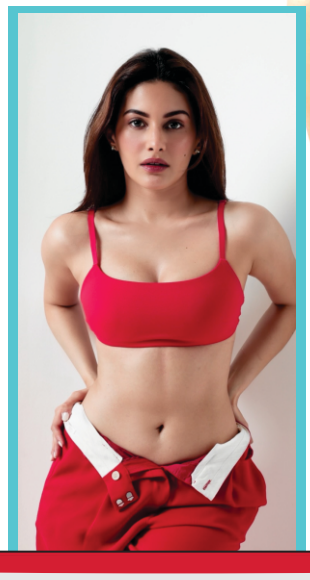

किया था खूब टार्चर!

फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच और हैरेसमेंट को लेकर कई एक्ट्रेसेस ने अपनी आवाज उठाई है. इनमें से एक नाम एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर का भी है. एक्ट्रेस अमायरा दस्तूर ने हिन्दी ही नहीं बल्कि साउथ फिल्मों में भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है. लेकिन उन्हें दोनों ही इंडस्ट्री में शोषण का सामना करना पड़ा था.

राजस्थान रायल्स में बड़े बदलाव की तैयारी

राहुल द्रविड़ के इस्तीफे के बाद नए कोच की तलाश

न्यूज डेस्क। राहुल द्रविड़ के इस्तीफे के बाद अब राजस्थान रॉयल्स मैनेजमेंट नए हेड कोच की तलाश में जुट गया है। सूत्रों के मुताबिक श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगाकारा टीम की पहली पसंद हो सकते हैं। इसके अलावा गैरी कस्टर्न और चंद्रकांत पंडित के नाम भी चर्चा में हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (प्च्स्) 2025 में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। टीम 14 मुकाबलों में से सिर्फ चार ही जीत पाई और पॉइंट्स टेबल में नौवें स्थान पर रही। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद हेड कोच राहुल द्रविड़ ने 30 अगस्त को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। द्रविड़ का कार्यकाल केवल एक सीजन का रहा।

राहुल द्रविड़ राजस्थान रॉयल्स के साथ लंबे समय से जुड़े रहे हैं। उन्होंने 2012 और 2013 में बतौर कप्तान, 2014 और 2015 में डायरेक्टर और मेंटोर की भूमिका निभाई थी।

भारतीय टीम के मुख्य कोच रहते हुए उन्होंने टी–20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत को जीत दिलाई और वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल तक पहुंचाया। आईपीएल–2025 में उम्मीदों पर खरे न उतर पाने के चलते उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया।

अब राजस्थान रॉयल्स मैनेजमेंट नए हेड कोच की तलाश में जुट गया है। सूत्रों के मुताबिक श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगाकारा टीम की पहली पसंद हो सकते हैं। इसके अलावा गैरी कस्टर्न और चंद्रकांत पंडित के नाम भी चर्चा में हैं। जल्द ही लंदन में टीम मैनेजमेंट की अहम बैठक होने वाली है, जिसमें हेड कोच के साथ–साथ सपोर्ट स्टाफ, कप्तान और उपकप्तान पर भी चर्चा की जाएगी। कप्तान संजू सैमसन के टीम छोड़ने की अटकलें भी तेज हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि सितंबर में राजस्थान रॉयल्स के खेमे में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

GST स्लैब में बदलाव: खेल सेक्टर पर बड़ा असर, आईपीएल टिकटों पर 40 फीसदी टैक्स

स्पोर्ट्स डेस्क। सबसे बड़ा बदलाव क्रिकेट के इंडियन प्रीमियर लीग जैसे आयोजनों पर देखने को मिलेगा। अब आईपीएल जैसे खेल आयोजनों में प्रवेश (टिकट) पर 40 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरों का असर अब खेल जगत पर भी गहराई से पड़ने वाला है। हाल ही में जीएसटी काउंसिल ने स्लैब में बदलाव करते हुए खेल और उससे जुड़े आयोजनों पर टैक्स को लेकर महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं।

टिकट पर 40 फीसदी जीएसटी

सबसे बड़ा बदलाव क्रिकेट के इंडियन प्रीमियर लीग जैसे आयोजनों पर देखने को मिलेगा। अब आईपीएल जैसे खेल आयोजनों में प्रवेश (टिकट) पर 40 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। इसका सीधा असर टिकट की कीमतों पर पड़ेगा और दर्शकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ बढ़ सकता है। हालांकि, यह 40 प्रतिशत की दर सिर्फ आईपीएल जैसे आयोजनों पर लागू होगी।

500 रुपये से अधिक के टिकटों पर...

दूसरी ओर, मान्यता प्राप्त खेल आयोजनों पर यह भारी कर नहीं लगाया जाएगा। यदि किसी मान्यता प्राप्त खेल आयोजन का टिकट 500 रुपये तक है तो वह पहले की तरह जीएसटी से मुक्त रहेगा। वहीं 500 रुपये से अधिक कीमत वाले टिकटों पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी जारी रहेगा। यानी, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मान्यता प्राप्त खेल टूर्नामेंटों के दर्शकों पर अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जाएगा।

इन पर सरकार ने कसी नकेल

इसके अलावा, जीएसटी परिषद ने सट्टेबाजी, जुए, लॉटरी, घुड़दौड़ और ऑनलाइन मनी गेमिंग जैसी गतिविधियों को भी 40 प्रतिशत कर दायरे में लाने का फैसला किया है। यह फैसला न केवल इन क्षेत्रों के कारोबार को प्रभावित करेगा बल्कि सरकार को अतिरिक्त राजस्व भी दिला सकता है।

लोकप्रियता पर पड़ेगा असर?

कुल मिलाकर, जीएसटी स्लैब में बदलाव से खेल जगत में दोहरी तस्वीर उभर रही है। जहां एक तरफ आईपीएल जैसे फ्रेंचाइजी आधारित आयोजन महंगे होंगे, वहीं मान्यता प्राप्त खेल आयोजनों में दर्शकों के लिए राहत बनी रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला सरकार के राजस्व बढ़ाने की दिशा में अहम कदम है, लेकिन लंबे समय में इसका असर दर्शकों की भागीदारी और खेल आयोजनों की लोकप्रियता पर भी दिख सकता है।

अमित मिश्रा ने किया संन्यास का एलान

शानदार रहा अमित मिश्रा का करियर आईपीएल में ली हैट्रिक की हैट्रिक इंटरनेशनल क्रिकेट में लिए 156 विकेट

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय क्रिकेटर अमित मिश्रा ने खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास का एलान कर दिया है। उन्होंने 25 साल के अपने करियर को अब अलविदा कह दिया है। लेग स्पिनर ने अंतरराष्ट्रीय करियर में 22 टेस्ट, 36 वनडे और 10 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले। इस दौरान उन्होंने टेस्ट में 76, वनडे में 64 और टी20 इंटरनेशनल में 16 विकेट चटकाए। उन्होंने बार–बार होने वाली चोटों और युवाओं को मौका देने का हवाला देते हुए गुरुवार को संन्यास की घोषणा की।

यादगार रहे 25 साल

मिश्रा ने आईएएनएस से कहा, "क्रिकेट में मेरे जीवन के ये 25 साल यादगार रहे हैं। मैं बीसीसीआई, प्रशासन, हरियाणा क्रिकेट संघ, सहयोगी स्टाफ, अपने सहयोगियों और अपने परिवार के सदस्यों का तहे दिल से आभारी हूँ जो इस दौरान मेरे साथ रहे।" उन्होंने कहा, "मैं उन फैंस का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिनके प्यार और समर्थन ने मुझे जब भी और जहां भी मैंने खेला, इस सफर को यादगार बना दिया। क्रिकेट ने मुझे अनगिनत यादें और अमूल्य सीख दी हैं। मैदान पर बिताया हर पल एक ऐसी याद बन गया है जिसे मैं जीवन भर संजो कर रखूंगा।"

बेस्ट बॉलिंग पर एक नजर

वनडे में मिश्रा के बेस्ट बॉलिंग स्पैल की बात करें तो यह 6/48 है। 2013 में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने यह कारनामा किया था। मुकाबले की बात करें तो टॉस हारकर जिम्बाब्वे टीम 39.5 ओवर में 163 रन पर सिमट गई थी।

मिश्रा ने 8.5 ओवर में 5.43 की इकोनॉमी से 48 रन देकर 6 विकेट अपने नाम किए थे। टेस्ट में मिश्रा ने 1 बार 5 विकेट हॉल किया। उनके बेस्ट प्रदर्शन की बात करें तो 5/71 एक इनिंग में और 7/72 एक टेस्ट में रहा। उन्होंने 2008 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली में टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने अपने करियर का आखिरी टेस्ट 2016 में खेला था।

आईपीएल में हैट्रिक

अमित मिश्रा आईपीएल में सबसे ज्यादा हैट्रिक लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने लीग में 3 बार यह कारनामा किया। उन्होंने (2008, 2011 और 2013) अलग–अलग फ्रेंचाइजी के लिए यह कारनामा किया था। 2008 में दिल्ली की ओर से खेलने हुए उन्होंने डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ लगातार 3 विकेट लिए थे।

इसके बाद 2011 में किंग्स 11 पंजाब के इस बॉलर ने फिर से डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ ही यह कारनामा किया था। 2013 में मिश्रा सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे थे। पुणे वॉरियर्स के खिलाफ उन्होंने 3 गेंदों पर 3 विकेट चटकाए थे।

आईपीएल में प्रदर्शन

आईपीएल में मिश्रा के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने अपने करियर में 162 मैच खेले।

इस दौरान 174 विकेट चटकाए। अमित 2008 से 2010 तक दिल्ली डेयरडेविल्स का हिस्सा थे। अगले 2 सीजन वह डेक्कन चार्जर्स के लिए खेले। इसके बाद आईपीएल 2013 और 2014 में वह सनराइजर्स हैदराबाद फ्रेंचाइजी के लिए खेले। 2015 से 21 तक लेग स्पिनर दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा रहे। इसके बाद 2023 और 2024 में वह लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते नजर आए थे।

ओलंपिक संघ ने फिर खोला खजाना

खिलाड़ी विकास कार्यक्रमों के लिए रुके ₹15 करोड़ का अनुदान बहाल

स्पोर्ट्स डेस्क। आईओसी के निदेशक जेम्स मैकलियोड ने पीटी उषा को लिखे पत्र में कहा कि आईओए ने हाल के हफ्तों में जो सुधारात्मक कदम उठाए हैं, उनसे पारदर्शिता और एकता का माहौल बना है। इसी आधार पर आईओसी ने भारत के लिए फंडिंग बहाल करने का फैसला लिया है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अंदरूनी विवाद और प्रशासनिक अड़चनें दूर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने बड़ा फैसला लिया है। आईओसी ने ओलंपिक सॉलिडेरिटी प्रोग्राम के तहत आईओए को दिया जाने वाला वित्त पोषण दोबारा शुरू करने की घोषणा की है। पिछले साल यह फंडिंग रोक दी गई थी।

आईओए में सीईओ रघुराम अय्यर की नियुक्ति को लेकर खींचतान चल रही थी, लेकिन खेल मंत्री मनसुख मांडविया के हस्तक्षेप के बाद आईओए अध्यक्ष पीटी उषा और कार्यकारी परिषद के असंतुष्ट सदस्यों के बीच समझौता हो गया। इसके बाद 24 जुलाई को अय्यर की नियुक्ति को औपचारिक मंजूरी दी गई और 13 अगस्त को आयोजित आम सभा में लंबित रिपोर्टें और वित्तीय ऑडिट भी पास किए गए। आईओसी के निदेशक जेम्स मैकलियोड ने पीटी उषा को लिखे पत्र में कहा कि आईओए ने हाल के हफ्तों में जो सुधारात्मक कदम उठाए हैं, उनसे पारदर्शिता और एकता का माहौल बना है। इसी आधार पर आईओसी ने भारत के लिए फंडिंग बहाल करने का फैसला लिया है। मैकलियोड ने उम्मीद जताई कि भारत में प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम खेल संगठनों में सुशासन को और मजबूत करेगा और ओलंपिक चार्टर की भावना को आगे बढ़ाएगा।

आईओसी का यह कदम न सिर्फ आईओए के लिए बड़ी राहत है, बल्कि उन खिलाड़ियों के लिए भी उत्साहजनक है जिनके विकास कार्यक्रमों पर पिछले एक साल से रोक लगी हुई थी। अब अनुदान बहाल होने के बाद प्रशिक्षण और संसाधनों की उपलब्धता बेहतर होगी।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।